बालाघाट
रविवार 28 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 12 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 274
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

तमिल अभिनेता-निर्देशक के. भाग्यराज का निधन

चेन्नई। निर्देशक और अभिनेता के. भाग्यराज ने लगभग पांच दशक तक तमिल सिनेमा को अपना समय और जीवन समर्पित किया। अब यह कलाकार, निर्देशक हमारे बीच नहीं हैं। 73 वर्षीय के. भाग्यराज का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। के. भाग्यराज ने अपने पूरे करियर में लगभग 75 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया, 20 से ज्यादा फिल्मों का निर्देशन किया। बतौर जूनियर आर्टिस्ट उन्होंने अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था। वह फिल्म 16 वयधिनिले (1977) में एक छोटे से रोल में पहली बार दिखे थे। आगे चलकर उन्होंने फिल्म सिगप्पु रोजक्कल (1978) में भी अभिनय किया और इस फिल्म के डायलॉग भी लिखे। फिर वह असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर तमिल सिनेमा में काम करने लगे। कई फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्होंने लिखी। बाद में फिल्म सुवरिच्चा चित्तियांगल (1979) के जरिए वह डायरेक्टर की कुर्सी पर बैठे। कई चर्चित फिल्में उन्होंने बतौर डायरेक्टर बनाईं।

उबर इंडिया के सीईओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। उबर इंडिया के सीईओ प्रभजीत सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वे सितंबर में चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के भारत ऑपरेशन्स में बतौर कंट्री मैनेजिंग डायरेक्टर शामिल होंगे। प्रभजीत सिंह भारत में ओपनएआई के सबसे सीनियर लीडर होंगे और वे इसी साल मार्च में ओपनएआई के एशिया पैसिफिक के मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किए गए किरन मणी को रिपोर्ट करेंगे। ओपनएआई ने एक बयान में कहा है कि प्रभजीत सिंह पर भारत में कंपनी के कंज्यूमर ग्रोथ, एंटरप्राइज अडॉप्शन, पार्टनरशिप, रेगुलेटरी एंगेजमेंट और ऑपरेशन्स की जिम्मेदारी होगी। उनका फोकस पार्टनरशिप बनाने और भारत के बड़े एआई इकोसिस्टम को सपोर्ट करने पर रहेगा। साथ ही वे कंज्यूमर्स, बिजनेस, संस्थानों और सरकारी संस्थाओं को एआई से फायदा पहुंचाने में मदद करेंगे।

डॉ. यू.पी. राजीव बने विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के नए निदेशक

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यू.पी. राजीव को तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) का नया निदेशक नियुक्त किया है। वह देश के प्रमुख प्रक्षेपण यान केंद्र की कमान संभालने वाले हैं, जो भारत के रॉकेट और लांच व्हीकल कार्यक्रमों का केंद्रबिंदु माना जाता है। डॉ. राजीव वर्तमान में वीएसएससी में एसोसिएट डायरेक्टर (सिस्टम्स एंड डेवलपमेंट) के पद पर कार्यरत थे।

उन्हें रॉकेट कंट्रोल, नेविगेशन और गाइडेंस सिस्टम के क्षेत्र में कई दशकों का अनुभव है।

कुछ ना कहना

महाराष्ट्र में टीईटी पेपर लीक, परीक्षा रद्द की

पेपर ठाणे से बरामद; सरकारी टीचर्स के लिए ये परीक्षा जरूरी

मुंबई। महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का पेपर करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना था। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों की हिरासत में लिया है। हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी टीईटी कंपलसरी है।

सूत्रों के मुताबिक, भिवंडी पुलिस को पेपर लीक होने की सूचना मिली थी और इसके बाद पुलिस ने ठाणे में छापा मारा, जहां कुछ लोगों के पास मोलबंद टीईटी 2026 प्रश्न पत्र के पन्ने पाए गए। इनकी जांच के लिए तुरंत महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद के अधिकारियों को बुलाया गया और भिवंडी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है और पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। महाराष्ट्र का शिक्षा विभाग भी इस मामले की जांच में जुट गया है।

परीक्षा परिषद ने जारी किया बयान

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि टीईटी 2026 परीक्षा, राज्य भर में 1,028 केंद्रों पर होने वाली थी। परिषद ने कहा है कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के महेनजर इसे स्थगित किया गया है। परिषद ने ड्रेस कोड को लेकर उठे सवालों के बीच कहा था कि महिला उम्मीदवार परीक्षा के दौरान हिजाब, बुर्का या दुपट्टा पहन सकती हैं लेकिन इसमें शर्त यह है कि उनका चेहरा दिखाई देना चाहिए।

बड़े इंतजाम के बाद भी पेपर लीक, 1,729 सेंटर पर होनी थी परीक्षा

राज्यभर में 1,729 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।
18,000 AI आधारित CCTV कैमरे लगाए गए थे।
हर केंद्र की निगरानी राज्य और जिला कंट्रोल रूम से होनी थी।
उम्मीदवारों के लिए बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन की व्यवस्था थी।
मेटल डिटेक्टर से जांच की जानी थी।
मोबाइल, स्मार्ट वॉच और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान पर रोक थी।
प्रवेश के लिए आधार, पैन, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान पत्र जरूरी थे।

क्या है TET एग्जाम

टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी TET एक राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षा है, जो यह तय करती है कि कोई अभ्यर्थी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा 1 से 8 तक) में टीचर बनने के योग्य है या नहीं। इस परीक्षा को नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (NCTE) ने 2010 में अनिवार्य कर दिया था। केंद्र सेंट्रल TET और राज्य स्टेट TET करवाते हैं।

NCTE ने शिक्षक पदों पर नियुक्त उम्मीदवारों को TET क्वालिफाई करने के लिए 5 साल का समय दिया, जिसे आगे चलकर 4 साल कर दिया था।

NCTE के नोटिस के खिलाफ उम्मीदवारों ने कोर्ट का रुख किया। मद्रास HC बेंच ने जून 2025 में कहा कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति 29 जुलाई 2011 से पहले हुई थी, उन्हें सेवा में बने रहने के लिए TET पास करने की बाध्यता नहीं है, लेकिन पदोन्नति के लिए अब्रज पास करना अनिवार्य रहेगा। बाद में यह मामला अलग-अलग राज्यों से सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

राम मंदिर ट्रस्ट ने जारी किया बयान, कहा- हाल की घटनाओं से हैरान

चांदी की ईंटें, आभूषण सुरक्षित

अयोध्या। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है कि श्रद्धालुओं की ओर से दिए गए सभी आभूषण, चांदी की ईंटें आदि सुरक्षित हैं। साथ ही ट्रस्ट ने हालिया घटनाओं को लेकर हैरानी जताई और भक्तों को निष्पक्ष जांच का भी भरोसा दिया। हाल ही में सिंधी समाज ने वीडियो जारी कर चांदी की ईंटों को लेकर सवाल उठाए थे और बताया था कि उन्होंने ट्रस्ट को 200 चांदी की ईंटें दी थीं। जिसकी उन्हें रसीद तक नहीं दी गई थी। उन्होंने चांदी के ईंटों का भी वीडियो जारी किया था।

ट्रस्ट ने आगे कहा कि हम उन भक्तों की आश्वस्त करते हैं कि जिन्होंने चांदी की ईंटें, आभूषण आदि प्रभु श्रीराम की सेवा में अर्पण हेतु ट्रस्ट के अधिकारियों को सौंपी है, वे चीजें सुरक्षित हिसाब सहित उपलब्ध हैं। मंदिर के दानपात्रों से प्राप्त राशि की घटना के संबंध में ट्रस्ट के निवेदन पर यूपी सरकार की ओर गठित एसआईटी से प्राप्त अंतरिम प्रतिवेदन के आधार पर ट्रस्ट ने एफआईआर की है और उसपर वैधानिक कार्यवाही जारी है। आगे कहा कि हम सभी को भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में कोई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ना बने ऐसा सुनिश्चित करेंगे। अपराधियों को वैधानिक यथायोग्य कड़ा दंड मिलें, इन के आग्रही रहेंगे। असामाजिक, अधार्मिक, स्वार्थी तत्वों की ओर से सनातन धर्म पर लांछन लगाने के प्रयास सफल नहीं होने देंगे। ट्रस्ट ने लोगों से अपील कि प्रसारित भ्रामक एवं निराधार अफवाहों से स्वयं बचें और अन्य लोगों को भी बचाएं।

घटनाओं से दुखी है ट्रस्ट

राम मंदिर ट्रस्ट ने स्वामी गोविंददेव गिरी की ओर से प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि श्री राममंदिर में पिछले कुछ दिनों से सुनी हुई घटनाओं से हम आहत और दुखी हैं। सभी रामभक्तों और रामसेवकों के प्रतिनिधि के रूप में यहां सेवा करने वाले हम इसकी न्यायपूर्ण जांच और रामभक्तों को आश्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस्तीफा मिलने की पुष्टि

आगे ट्रस्ट ने जनरल सेक्रेटरी चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मिलने की पुष्टि की और कहा कि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास) के महामंत्री चंपतराय और न्यासी अनिल मिश्रा से त्यागपत्र प्राप्त हुआ है। न्यास अपनी आगामी बैठक में इसका विचार करेगा।

सीबीएसई का बड़ा ऐलान, 10वीं तक विदेशी भाषा पढ़ने वाले छात्रों को मिली राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 7 से 9 तक के उन विद्यार्थियों को बड़ी राहत दे दी है, जिन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान दो विदेशी भाषाओं का चयन किया था। सीबीएसई बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इसतरह के छात्र-छात्राएं कक्षा 10 तक अपना वर्तमान भाषा संयोजन बिना किसी बदलाव के जारी रख सकते हैं। इस फैसले से उन हजारों छात्रों और अभिभावकों की चिंता से मुक्ति मिली है, जो नई भाषा नीति के कारण अपने विषय संयोजन में बदलाव को लेकर चिंतित थे।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब सीबीएसई ने 1 जुलाई से कक्षा 9 में नए प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए एक नई व्यवस्था लागू करने की घोषणा की। इसके तहत विद्यार्थियों के लिए तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य किया था, जिसमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं शामिल होना जरूरी था। इस नई व्यवस्था के कारण इसतरह के छात्र प्रभावित हो रहे थे, जिन्होंने पहले से ही दो विदेशी भाषाओं का चयन कर रखा था। कई अभिभावकों और विद्यार्थियों ने इस निर्णय पर आपत्ति जताकर समाधान की मांग की थी।

सीबीएसई बोर्ड के ताजा स्पष्टीकरण के अनुसार, कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे वे सभी छात्र जिन्होंने पहले ही दो विदेशी भाषाएं चुनी हैं, वे 10वीं तक वही संयोजन जारी रख सकते हैं।

मद्रास हाईकोर्ट का अहम फैसला, व्यक्ति सिर्फ मुस्लिम बनता है, पिछड़ा वर्ग का दर्जा नहीं

चेन्नई। देश में धर्म परिवर्तन के बाद आरक्षण के दावों को लेकर अक्सर विवाद सामने आते रहे हैं। इसतरह के एक मामले पर सुनवाई कर मद्रास हाईकोर्ट ने बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इस्लाम अपनाने से कोई व्यक्ति केवल मुसलमान बनता है और वह पिछड़ा वर्ग (बीसी) मुस्लिम का दर्जा या उससे जुड़े आरक्षण का दावा नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन और न्यायमूर्ति पीबी बालाजी की खंडपीठ ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को असंवैधानिक घोषित किया, जिसमें हिंदू धर्म के पिछड़े, अति-पिछड़े या अनुसूचित जाति के व्यक्ति को इस्लाम अपनाने के बाद पिछड़ा वर्ग मुस्लिम का दर्जा और आरक्षण देने का प्रावधान था। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्ति इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ मुसलमान बनता है, बस बात यहीं खत्म हो जाती है, वह पिछड़ा वर्ग मुस्लिम के दर्जे और आरक्षण का दावा नहीं कर सकता। यह अहम फैसला थूथुकुड़ी जिले के समीर अहमद की याचिका पर आया। समीर, जिनका जन्म हिंदू परिवार में परमशिवम के नाम से हुआ था, उन्होंने 2015 में इस्लाम अपनाया और अपना नाम समीर अहमद रखा। धर्म परिवर्तन के बाद उन्होंने मुस्लिम लेब्बई जाति के प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था, जिसे तहसीलदार ने यह कहकर खारिज कर दिया कि यह समुदाय में जन्म लेने से संबंधित है। समीर ने अपनी याचिका में तमिलनाडु सरकार के 9 मार्च, 2024 के उस आदेश का हवाला दिया था, जो धर्म परिवर्तित मुसलमानों को आरक्षण देने की बात करता था। राज्य सरकार ने तर्क दिया कि यह कदम परिवर्तित लोगों को उनकी पिछली आरक्षित श्रेणी का लाभ बरकरार रखने की अनुमति देने के लिए था। हालांकि, उच्च न्यायालय ने तर्क को सिरे से खारिज किया। अदालत ने कहा कि मुस्लिम समाज के भीतर भी कई समुदायों की सदस्यता जन्म से ही तय होती है, ठीक वैसे ही जैसे हिंदू धर्म में जातियां होती हैं। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति को मुस्लिम समुदाय में 'बदलना' पूरी तरह से बेतुका है।

कच्चा तेल सस्ता, फिर भी महंगा पेट्रोल-डीजल क्यों?

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की ऊंची कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता होने के बावजूद आम जनता को राहत नहीं दे रही है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट के बावजूद पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में कमी नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के दौरान कच्चे तेल की कीमतें 138 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उनके अनुसार, उस समय पेट्रोल और डीजल की कीमतें मौजूदा स्तर से कम थीं। उन्होंने सवाल उठाया कि

जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल घटकर लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है, तब भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित कमी क्यों नहीं की गई। खड़गे ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि युद्ध और आपूर्ति संकट का हवाला देकर कीमतें बढ़ाई गई थीं, लेकिन अब परिस्थितियां सामान्य होने के बावजूद उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल रही है।

कांग्रेस का कहना है कि आम उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर ईंधन की ऊंची कीमतों का सीधा असर पड़ रहा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार ईंधन पर करों के माध्यम से अतिरिक्त राजस्व जुटा रही है। खड़गे ने कहा कि महंगे ईंधन का प्रभाव परिवहन लागत, खाद्य पदार्थों की कीमतों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर भी पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ती है।

तमिलनाडु में नौ साल पुराना गठबंधन टूटा, एमडीएमके ने डीएमके से नाता तोड़ा

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने का ऐलान कर दिया है। पार्टी प्रमुख वाइको ने कहा कि उनकी पार्टी और कार्यकर्ताओं का लगातार अपमान किया गया, इसलिए गठबंधन में बने रहने का कोई औचित्य नहीं रह गया। यह फैसला पार्टी की आम परिषद की बैठक में लिया गया।

वाइको ने आरोप लगाया कि गठबंधन में एमडीएमके को उचित सम्मान नहीं मिला और पार्टी की राय को लगातार नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि नौ वर्षों तक गठबंधन में रहने के बावजूद उनकी पार्टी के साथ बराबरी का व्यवहार नहीं किया गया। इसी कारण पार्टी ने सर्वसम्मति से गठबंधन से बाहर निकलने का निर्णय लिया। एमडीएमके और डीएमके ने वर्ष 2017 में सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ साथ आने का फैसला किया था। तब दोनों दलों ने इसे धर्मनिरपेक्ष राजनीति को मजबूत करने वाला गठबंधन बताया था। हालांकि समय के साथ दोनों दलों के बीच मतभेद बढ़ते गए और अंततः यह नौ साल पुराना राजनीतिक रिश्ता समाप्त हो गया।

रोहित शेट्टी को फिर मिली जान से मारने की धमकी, 20 करोड़ की रंगदारी की मांग, मुंबई पुलिस अलर्ट, बिश्नोई गैंग एंगल की जांच

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी को शनिवार सुबह एक बार फिर धमकी भरा फोन मिलने से हड़कंप मच गया। फोन करने वाले अज्ञात शख्स ने उनसे 20 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की है। इस घटना के बाद मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच तुरंत हरकत में आ गई है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धमकी देने वाले की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फोन किस स्थान से किया गया, किस माध्यम का इस्तेमाल हुआ और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। साथ ही, इस मामले में बिश्नोई गैंग का कोई संबंध है या नहीं, इस पहलू की भी गहन जांच की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर पर फायरिंग की सनसनीखेज घटना सामने आई थी। उस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों से पकड़ा गया था। आपको बता दें कि इस साल 31 जनवरी और 1 फरवरी की दरमियानी रात जुहू स्थित रोहित शेट्टी की नौ मंजिला इमारत पर पांच राउंड फायरिंग की गई थी। इनमें से एक गोली इमारत के जिम की कांच की दीवार पर लगी थी। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हमले में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायरिंग मामले की जांच के दौरान मुंबई क्राइम ब्रांच को कई अहम सुराग मिले थे। जांच में यह भी सामने आया था कि हमलावरों को कथित तौर पर नेपाल के जरिए फंडिंग की गई थी। यह रकम आरोपियों के बैंक खातों में जमा कराई गई थी, जिसके बाद एटीएम से नकदी निकालकर वारदात को अंजाम देने की तैयारी की गई थी। अब एक बार फिर धमकी मिलने के बाद रोहित शेट्टी की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुंबई पुलिस ने उनके सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा शुरू कर दी है और मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि धमकी देने वाले आरोपियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी को मिली 99 लाख की सब्सिडी

अपने ही मंत्रालय की योजना से मिला लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी को खीरे की खेती के लिए 99 लाख रुपये की सरकारी सब्सिडी मिली। भागीरथ चौधरी अजमेर से सांसद हैं। जांच में पता चला है कि केंद्रीय मंत्री को तीन महीने पहले ही उनके मंत्रालय के तहत चलने वाली एक सरकारी योजना के जरिए यह सब्सिडी मिली थी। इस योजना को जिस राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) ने मंजूरी दी थी, उसमें केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री पदेन उपाध्यक्ष होते हैं।

मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर नाम की इस योजना को 2014-15 में लॉन्च किया गया था। इस योजना का मकसद बड़े पैमाने पर कॉमर्शियल खेती को बढ़ावा देना था। इस योजना का संचालन एनएचबी द्वारा किया जाता है और यह बोर्ड भागीरथ चौधरी के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत आता है। योजना के तहत शिमला मिर्च, खीरा, टमाटर और आठ किस्म के फूलों की खेती के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है। इसमें हर परिवार के लिए लिमिट 1 करोड़ रुपये है। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी की खेती का यह प्रोजेक्ट 16,592 वर्ग मीटर में है। एनएचबी की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, बोर्ड के कामकाज का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है। केंद्रीय कृषि मंत्री इसके पदेन अध्यक्ष और कृषि राज्य मंत्री पदेन उपाध्यक्ष होते हैं।

पदेन उपाध्यक्ष के रूप में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री का नाम

वेबसाइट पर पदेन उपाध्यक्ष के रूप में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री का नाम दिया गया है और इसमें भागीरथ चौधरी का ईमेल एड्रेस भी है। बोर्ड के अन्य सदस्यों में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव; भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक और बागवानी उद्योग के अन्य अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हैं। कागजों में अगर देखा जाए तो इस योजना के तहत सब्सिडी के लिए परियोजनाओं को मंजूरी देने में केंद्रीय राज्य मंत्री की सीधी कोई भूमिका नहीं होती और इस बारे में एनएचबी की प्रोजेक्ट अप्रूवल कमेटी के द्वारा ही अंतिम मंजूरी दी जाती है। इस कमेटी में बोर्ड के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शामिल नहीं होते हैं।

4.41 करोड़ रुपये थी अचल और चल संपत्ति

भागीरथ चौधरी के द्वारा 31 मार्च, 2025 तक प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को दी गई जानकारी के मुताबिक उनकी अचल और चल संपत्ति 4.41 करोड़ रुपये थी। इस सूची में पीह गांव की कृषि वाली जमीन भी शामिल है और इसकी कीमत 5.85 लाख रुपए है। इसमें एनएचबी के इस प्रोजेक्ट का कोई जिक्र नहीं है। भागीरथ चौधरी के कार्यालय के सहयोगी ने बताया है कि प्रोजेक्ट के बारे में सरकार को जानकारी दी जाएगी।

12 हजार कमाने वाले के खाते में 165 करोड़ का लेनदेन

भिलाई। खुसीपार निवासी अनिमेष सिंह के बैंक खाते में वर्ष 2020 में आए 165 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डबल बेंच के समक्ष बताया है कि उसे इस राशि के स्रोत और उसके आगे कहां-कहां हस्तांतरित किए जाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो गई है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति आरके अग्रवाल की खंडपीठ में हुई। सीबीआई ने न्यायालय को अवगत कराया कि जांच के दौरान बैंकिंग रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों का विश्लेषण किया गया है। एजेंसी को अब यह जानकारी मिल चुकी है कि संबंधित राशि किन माध्यमों से खाते में पहुंची और बाद में उसका उपयोग अथवा हस्तांतरण किस प्रकार किया गया। सीबीआई ने कोर्ट से कहा है कि वह अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट आगामी सुनवाई में प्रस्तुत करेगी। मामले की अगली सुनवाई जुलाई के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है।

महंगी खाद-बीज ने छीनी किसानों की मुस्कान, बोले- अब चुप नहीं बैठेंगे, होगा बड़ा आंदोलन

धान उत्पादक बालाघाट में किसानों का उबाल, दोगुनी खाद कीमत, बढ़ती लागत और कम समर्थन मूल्य के खिलाफ सरकार को दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

धान उत्पादन के लिए प्रदेशभर में अपनी अलग पहचान रखने वाला बालाघाट जिला इन दिनों किसानों की बढ़ती चिंता का केंद्र बन गया है। एक ओर मानसून की देरी से खरीफ सीजन की बुवाई प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और अन्य कृषि संसाधनों की लगातार बढ़ती कीमतों ने किसानों की कमर तोड़ दी है। हालात यह हैं कि खेती शुरू होने से पहले ही किसान आर्थिक संकट की बात करने लगे हैं। इसी मुद्दे को लेकर शनिवार को जिला मुख्यालय से लगे ग्राम कुम्हारी में किसानों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने कृषि लागत में हो रही लगातार वृद्धि पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी। बैठक में किसानों ने कहा कि खेती अब लाभ का नहीं बल्कि घाटे का सौदा बनती जा रही है। सरकार लगातार कृषि से जुड़े संसाधनों की कीमतें बढ़ा रही है, जबकि किसानों की उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। किसानों का कहना है कि चुनाव के दौरान धान का समर्थन मूल्य बढ़ाने के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन आज तक उन्हें उसका लाभ नहीं मिला। इसके विपरीत हर वर्ष खाद, बीज, कीटनाशक और डीजल के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे खेती करना बेहद कठिन हो गया है। ग्राम कुम्हारी में आयोजित बैठक के दौरान किसानों ने कहा कि कुछ ही दिनों में खरीफ सीजन की बुवाई शुरू होनी है। खेत तैयार हैं, लेकिन बारिश नहीं होने से किसान पहले से ही चिंतित हैं। ऐसे समय में खाद और कृषि सामग्री की बढ़ी कीमतों ने उनकी मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। किसानों ने कहा कि यदि यही स्थिति बनी रही तो खेती करना छोटे और मध्यम किसानों के लिए लगभग असंभव हो जाएगा। किसान धनेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष जो खाद लगभग 1200 रुपये प्रति बोरी मिल रही थी, वही इस वर्ष करीब 2400 रुपये में उपलब्ध हो रही है। खाद की कीमत में अचानक हुई इस बढ़ोतरी से किसानों का पूरा बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि यदि किसान खाद खरीदेगा तो बीज, कीटनाशक और अन्य आवश्यक कृषि सामग्री खरीदने के लिए उसके पास पर्याप्त राशि नहीं बचेगी। इससे खेती की लागत लगातार बढ़ती जाएगी और किसान आर्थिक रूप से कमजोर होता जाएगा। किसान बचपन प्रसाद धारने ने कहा कि सरकार की हर नीति का सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ता है। पहले डीजल और पेट्रोल महंगे हुए, फिर रसोई गैस के दाम बढ़े और अब कृषि के लिए सबसे जरूरी खाद भी महंगी कर दी गई। उन्होंने कहा कि यदि यही स्थिति रही तो किसान खेती छोड़ने के लिए मजबूर हो जाएंगे और इसका सीधा असर देश के खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा। किसान दिलीप दशहरे ने बताया कि उन्होंने हाल ही में खाद 4800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा है। इस समय बीज और खाद दोनों महंगे होने से खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को धान का समर्थन मूल्य बढ़ाकर देने का वादा किया था, लेकिन आज तक वह पूरा नहीं हुआ। उनका कहना था कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए धान का मूल्य कम से कम पांच हजार रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए, तभी किसानों को राहत मिल सकेगी। किसान सनत उपवंशी ने कहा कि महंगाई का सबसे बड़ा बोझ किसान ही उठा रहा है। किसानों से कम कीमत पर धान खरीदा जाता है और उसी धान को प्रोसेस कर बीज के रूप में कई गुना अधिक कीमत पर वापस किसानों को बेचा जाता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया तो अब किसान आत्महत्या नहीं करेगा बल्कि अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसान अब चुप बैठने वाला नहीं है और अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरने के लिए तैयार है। किसान मनोज लिल्हारे ने कहा कि खेती की बढ़ती लागत ने ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति पूरी तरह प्रभावित कर दी है। कृषि खर्च बढ़ने के कारण किसान अपने बच्चों की शिक्षा, परिवार की जरूरतें और अन्य सामाजिक दायित्व भी ठीक से पूरे नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने सहकारी समितियों में खाद वितरण की प्रक्रिया को भी जटिल बताते हुए कहा कि ओटीपी और अन्य औपचारिकताओं के कारण किसानों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। बैठक में मौजूद किसानों ने सरकार से कृषि सामग्री की कीमतों पर नियंत्रण लगाने, खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने, धान का समर्थन मूल्य बढ़ाने तथा किसानों को आर्थिक राहत देने की मांग की। किसानों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो जिलेभर के किसानों को संगठित कर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उनका कहना था कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और यदि उसकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो इसका असर पूरे कृषि क्षेत्र और खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा।

साइबर जागरूकता अभियान के तहत पुलिस ने लोगों को किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 27 जून को मलाजखंड पुलिस द्वारा आमजन को साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल सुरक्षा तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेंद्र जोनवार के निर्देशन में यह जागरूकता अभियान भारतीय स्टेट बैंक के मलाजखंड एटीएम परिसर तथा थाना चौक मलाजखंड में आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों को साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताते हुए सतर्क रहने की अपील की।अभियान के दौरान उपनिरीक्षक मनोज मांगरे, सहायक उपनिरीक्षक सुलेखा मरकाम, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार, महिला आरक्षक मीना इनवाती, महिला आरक्षक शांति मरकाम तथा विशेष सुरक्षा इकाई के सदस्य शीतल मरावी, ममता एवं श्याम सिंह यादव ने नागरिकों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी।पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी, एटीएम कार्ड का पिन, ओटीपी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या इंटरनेट लिंक पर बिना जांचे-परखे विश्वास न करें। यदि किसी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार हों, तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें अथवा निकटतम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं।पुलिस ने कहा कि इस प्रकार के जनजागरूकता अभियान का उद्देश्य लोगों को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क करना और डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित करना है। ताकि साइबर ठगी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

जादू-टोना के अंधविश्वास और जमीन विवाद में एक व्यक्ति और उसके बेटा बहू से मारपीट- दी जान से मारने की धमकी

पिता पुत्र के विरूद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांधाटोला मंडई में जादू टोना के अंधविश्वास और जमीन विवाद को लेकर एक व्यक्ति और उसके बेटे और बहू के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर बिरसा पुलिस ने मक्खनसिंह सैय्याम और उसके बेटे शिवेंद्र सैय्याम के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झलकसिंह सैय्याम 46 वर्ष बांधाटोला मंडई निवासी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। उसका छोटे भाई मक्खनसिंह सैय्याम से लंबे समय से जमीन का विवाद चल रहा हैऔर मक्खनसिंह का परिवार झलकसिंह पर जादू टोना करने का भी संदेह करता है।बताया गया कि तीन दिन पहले झलकसिंह मंडई बाजार से खरीदारी कर रात करीब 8 बजे पैदल घर लौट रहे थे। रास्ते में उनके भतीजे शिलेंद्र सैय्याम ने उन्हें रोककर साथ बैठकर शराब पीने का आग्रह किया। दोनों गांव में आलमसिंह मरकाम के घर के जाकर बैठे। जहां शराब पीने के दौरान शिलेंद्र ने जमीन हिस्सा बंटवारे नही करने के साथ हीऔर जादू टोना का आरोप लगाते हुए झलकसिंह से विवाद करना शुरू कर दिया। अश्लील गाली गलौज देना शुरू कर दी।विवाद बढ़ता देख झलकसिंह वहां से अपने घर जाने लगे।लेकिन रास्ते में शिलेंद्र ने पीछे से आकर उनके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। बीच बचाव के बाद झलकसिंह अपने घर की ओर चले गए। लेकिन कुछ देर बाद शिलेंद्र अपने पिता मक्खनसिंह के साथ फिर वहां पहुंचा। और दोनों ने जमीन विवाद और जादू-टोना का आरोप लगाते हुए झलकसिंह को सड़क पर गिराकर बेरहमी से मारपीट करने लगे। हल्ला सुनकर झलकसिंह का बेटा विमलेश सैय्याम और बहू प्रेमलता उन्हें बचाने पहुंचे तो दोनो पिता पुत्र ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना के दौरान तीनों को चोटें आईं। जाते-जाते दोनो पिता पुत्र ने ने दोबारा जादू-टोना करने पर पूरे परिवार को जान से खत्म करने की धमकी भी दे दी।अगले दिन झलकसिंह अपने बेटे और बहू के साथ बिरसा थाने पहुंचे और घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद शिकायत के आधार पर शिलेंद्र सैय्याम और मक्खनसिंह सैय्याम के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।बिरसा पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

यौमे आशूरा पर याद किए गए शहीदाने कर्बला, सर्व समाज ने किया लंगर में सहभाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कायदी के जोड़ापाठ एवं कायदी बस्ती में यौमे आशूरा श्रद्धा, अकीदत और धार्मिक परंपराओं के साथ मनाया गया। जुमे की नमाज़ के बाद विशेष आशूरा की नमाज़ अदा कर, कर्बला के शहीदों, विशेषकर हज़रत इमाम हुसैन और उनके साथियों को खिराज-ए-अक़ीदत पेश की गई।इस अवसर पर सर्व समाज के लिए

लंगर-ए-आम का आयोजन किया गया, जिसमें खिचड़ा और शरबत वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुस्लिम समाज के साथ-साथ विभिन्न समाजों के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और भाईचारे व सौहार्द की मिसाल पेश की।देर रात तक चले धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में गांव के लोगों ने गंगा-जमुनी तहज़ीब का परिचय देते हुए एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। आयोजन की स्थानीय लोगों ने मुक्तकंठ से सराहना की।आयोजकों ने बताया कि ग्राम में मोहर्रम के सभी कार्यक्रम ग्रामीणों के सहयोग और सहभागिता से वर्षों से आयोजित किए जाते रहे हैं। यह परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ निभाई जा रही है तथा भविष्य में भी इसे इसी तरह जारी रखा जाएगा।यौमे आशूरा के अवसर पर कर्बला के शहीदों के त्याग, बलिदान और इंसानियत के संदेश को याद करते हुए उपस्थित लोगों ने समाज में अमन, भाईचारे और आपसी सौहार्द बनाए रखने का संकल्प भी लिया।इस दौरान राजा भाई,कलाम भाई, जलाल भाई,हनीफ भाई, रमीज भाई, मोहिद भाई, अल्ताफ भाई, शाहनवाज, यूनुस खान, सलाम खान, अबरार खान,अयान कुरैशी, जियास कुरैशी, ईसरर्फिल भाई और नसीर भाई सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बरसात में बढ़ा सर्पदंश का खतरा

घर लौट रहे युवक को जहरीले सांप ने डसा, जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वर्षा ऋतु की शुरुआत के साथ ही सर्पदंश की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखने मिल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों, घरों के आसपास और झाड़ियों में सांपों की आवाजाही बढ़ने से लोग खतरे की आशंका के बीच जीवनयापन कर रहे हैं। इसी क्रम में लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम धपेरा मोहगांव के कट्टी टोला में एक 15 वर्षीय युवक जहरीले सांप के डसने से घायल हो गया। युवक अमित पिता लक्ष्मण पुसाम 15 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित पुसाम कट्टी टोला निवासी ने पढ़ाई छोड़ दी है और घर पर ही रहता है। उसके माता-पिता खेती-मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं।बताया गया कि 27 जून की सुबह करीब 5 बजे अमित घर के पीछे बने शौचालय गया था। शौचालय से लौटते समय बाड़ी से गुजरने के दौरान अचानक एक जहरीले सांप ने उसके दाहिने पैर में काट लिया। सांप के डसते ही अमित ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिवार के लोग उसे तत्काल मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार जारी है।बारिश शुरू होते ही जिले में सर्पदंश की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पिछले कुछ दिनों में भी अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं। बारिश के दौरान बिलों में पानी भर जाने के कारण सांप सुरक्षित स्थानों की तलाश में घरों, बाड़ियों और खेतों की ओर निकल आते हैं।जिससे लोगों का उनसे सामना होने की संभावना बढ़ जाती है।

आकाशीय बिजली का कहर

गढ़ी क्षेत्र में महिला की मौत की खबर आई सामने बैहर में तीन युवकों की भी गई थी जान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले मे हुई तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक और मौत का मामला सामने आया है। 26 जून को दोपहर में गढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कोमो में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई थी। मृतिका चंद्रावती पति कैलाश पुसाम 39 वर्ष ग्राम नूनका टोला निवासी है। जिसकी जानकारी शनिवार को सामने आई। इसी दिन बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम भीमोड़ी में भी आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवकों की मौत हो गई थी, जबकि छह अन्य घायल हो गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़ी थाना क्षेत्र के नूनका टोला निवासी चंद्रावती पुसाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती थी। 26 जून को दोपहर करीब 12:30 बजे चंद्रावती अपने गांव के संतराम धुर्वे के साथ अपने मवेशियों की तलाश में ग्राम कोमो की ओर गई थीं। दोनों जंगल किनारे मवेशियों की खोज कर रहे थे। संतराम आगे निकल गया।जबकि चंद्रावती पीछे रह गईं। इसी दौरान तेज बारिश और गरज चमक के बीच आकाशीय बिजली गिर गई। जिसकी चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। गढ़ी पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। हालांकि इस घटना की जानकारी शनिवार को मिली।उल्लेखनीय है कि 26 जून को ही बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम भीमोड़ी में 12 युवक तालाब में मछली पकड़ने और नहाने गए थे। बारिश शुरू होने पर सभी युवक बचने के लिए वन विभाग के वॉच टावर पर चढ़ गए। तभी टावर के समीप स्थित एक विशाल सरई के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे में सतीश वलके 19 ग्राम बिरवा, लक्की मेरावी 18 ग्राम बिरवा और झामसिंह ताराम 32 ग्राम भीमोड़ी निवासी की मौत हो गई। जबकि छह युवक घायल हो गए थे।

बालाघाट में सारस गणना 2026 सम्पन्न, जिले में 50 सारस पक्षियों की हुई गणना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए निरंतर कार्यरत ‘सेवा’(Sustaining Environment and Wildlife Assemblage) संस्था ने दक्षिण एवं उत्तर वनमंडल बालाघाट, जिला पुरातत्व एवं संस्कृति परिषद तथा स्थानीय किसानों एवं सारस मित्रों के सहयोग से सारस गणना-2026 का सफल आयोजन किया। छह दिनों तक चले इस अभियान में जिले के 66 स्थानों पर वैज्ञानिक एवं पारंपरिक पद्धति से सारस पक्षियों की गणना की गई। गणना के लिए 22 टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने सुबह 4:45 बजे से 9:00 बजे तक सारसों के विश्राम स्थलों एवं प्राकृतिक आवासों पर पहुंचकर प्रत्यक्ष अवलोकन के माध्यम से गणना की। प्रत्येक टीम में सेवा संस्था के सदस्य एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। संस्था द्वारा वर्षभर सारसों के आवास, प्रजनन स्थलों एवं भ्रमण मार्गों का अध्ययन किया जाता है तथा ग्रामीणों और विद्यार्थियों को सारस संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाता है। संस्था ने बताया कि बालाघाट और महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के बीच बहने वाली वैनगंगा एवं बाघ नदी के कारण दोनों क्षेत्रों की जैव विविधता समान है। इसी वजह से कई सारस जोड़े दोनों राज्यों के बीच निर्बाध रूप से विचरण करते हैं, जो प्रकृति की एक अनूठी मिसाल है। गणना के आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए 19 से 25 जून तक प्रतिदिन सुबह और शाम सभी प्रमुख सारस आवासों का निरीक्षण भी किया गया। गणना के अनुसार बालाघाट जिले में 50 तथा गोंदिया जिले में 32 सारस पक्षियों की उपस्थिति दर्ज की गई। पिछले वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2025 में 48 सारस दर्ज किए गए थे, जबकि इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 50 हो गई है, जो संरक्षण प्रयासों की सकारात्मक उपलब्धि मानी जा रही है। वहीं पिछले चार वर्षों में सारस के घोंसलों की संख्या लगभग स्थिर बनी हुई है। इस अभियान को सफल बनाने में मुख्य वन संरक्षक, दक्षिण एवं उत्तर वनमंडल के अधिकारियों, सेवा संस्था के पदाधिकारियों, जिला पुरातत्व एवं संस्कृति परिषद, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, स्थानीय किसानों, सारस मित्रों एवं स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सेवा संस्था ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सारस संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के लिए जनसहभागिता बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

हॉकी बालाघाट की नई कार्यकारिणी गठित, 4वर्ष तक रहेगी कार्यरत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हॉकी बालाघाट की नई कार्यकारिणी का गठन कर पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। कार्यकारिणी गठन को लेकर पूर्व में एक बैठक आहूत की गई थी। नई कार्यकारिणी आगामी 4 वर्ष तक कार्यरत रहेगी। हॉकी बालाघाट के पदाधिकारियों ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष के रूप में किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष श्रीमती साक्षी लिल्हारे, सुशील वर्मा, सचिव विजय वर्मा, सह-सचिव मकरंद अंधारे, कोषाध्यक्ष तुषार मानकर एवं कार्यकारिणी सदस्यों में सुधांशु तिवारी, संदीप नेमा, राजेश सेवईवार, विनोद साव, राजकुमार शांडिल्य, रमेश उके, गोपाल धुर्वे शामिल है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 28 जून 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

विद्युत खंभे पर सुधार कार्य के दौरान मीटर वाचक को लगा करंट

नीचे गिरने से गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र के ग्राम लीलामेटा में शनिवार सुबह विद्युत खंभे में विद्युत सुधार कार्य के दौरान एक मीटर वाचक करंट की चपेट में आ गया। और वह विद्युत खंभे से नीचे गिरने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल मीटर वाचक आदित्य पिता सोहपत बल्के 27 वर्ष ग्राम लीलामेटा निवासी को उकवा से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है जहां

उसका इलाज किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लीलामेटा निवासी आदित्य बल्के पिछले करीब पांच वर्षों से विद्युत विभाग की ओर से क्षेत्र में मीटर वाचक के रूप में कार्य कर रहा है। 27 जून की सुबह लगभग 10 बजे वह अपने गांव में विद्युत खंभे पर चढ़कर सुधार कार्य कर रहा था। बताया जा रहा है कि उस समय पावर हाउस से विद्युत आपूर्ति बंद थी। लेकिन पास में स्थित जियो टावर का जनरेटर चालू था। आशंका है कि जनरेटर से आए रिटर्न करंट की चपेट में आने से आदित्य को जोरदार करंट लगा और वह संतुलन खोकर खंभे से नीचे गिर गया घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। वहां मौजूद विद्युत विभाग के कर्मचारी एवं ग्रामीणों ने तत्काल घायल और बेहोश आदित्य को उकवा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया बताया गया है कि आदित्य के परिवार में माता-पिता, एक बड़ा भाई तथा एक विवाहित बहन हैं। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल है फिलहाल घायल आदित्य का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर जनरेटर के रिटर्न करंट से हादसा होने की आशंका जताई जा रही है।

सप्लीमेंट्री में फेल होने का सदमा 15 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

पीएम आवास कॉलोनी में मची सनसनी, परिवार का इकलौता बेटा था यूनिक, परिणाम के बाद उठाया आत्मघाती कदम, पुलिस जांच में जुटी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बिमरटोला स्थित प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में शुक्रवार शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब 15 वर्षीय छात्र यूनिक उर्फ साहिल उरकुड़े ने अपने ही घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्र हाल ही में घोषित नवमी की सप्लीमेंट्री परीक्षा के परिणाम में असफल हो गया था। आशंका जताई जा रही है कि इसी मानसिक तनाव के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के बाद पूरे प्रधानमंत्री आवास परिसर में शोक और स्तब्धता का माहौल छा गया।

जानकारी के अनुसार यूनिक उर्फ साहिल पिता संदीप उरकुड़े नगर के सांदीपनी विद्यालय में कक्षा नवमी का छात्र था। मुख्य परीक्षा में सप्लीमेंट्री आने के बाद उसने पुनर्परीक्षा दी थी। शुक्रवार को परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जिसमें वह सफल नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि परिणाम की जानकारी मिलने के बाद वह काफी परेशान और गुमसुम था। शाम के समय उसने अपनी छोटी बहन को मोबाइल देते हुए कहा कि वह आराम करने जा रहा है और उसे परेशान न किया जाए। इसके बाद वह अपने कमरे में गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। परिजनों ने बताया कि यूनिक अक्सर कमरे का दरवाजा बंद कर सो जाया करता था, इसलिए शुरुआत में किसी को कोई संदेह नहीं हुआ। काफी देर तक कमरे से कोई हलचल नहीं होने और आवाज देने पर भी जवाब नहीं मिलने पर पिता संदीप उरकुड़े को चिंता हुई। उन्होंने पड़ोसी के घर की खिड़की से कमरे के भीतर देखा तो उनका बेटा पंखे से फंदे पर लटका हुआ दिखाई दिया। यह दृश्य देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव को जिला अस्पताल लाया गया, जहां शनिवार को पोस्टमार्टम कराया गया। अस्पताल चौकी के प्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने बताया कि फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। परिजनों की ओर से फिलहाल किसी प्रकार का संदेह व्यक्त नहीं किया गया है। मृतक के पिता संदीप उरकुड़े ने बताया कि यूनिक परिवार का इकलौता बेटा था और वह घर की हर छोटी-बड़ी बात उनसे साझा करता था। उन्हें यह भी जानकारी नहीं थी कि पुनर्परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। उन्होंने आशंका जताई कि संभवतः दोस्तों से परिणाम की जानकारी मिलने के बाद बेटा मानसिक रूप से परेशान हो गया होगा। उन्होंने कहा कि घटना से पहले वह कॉलोनी में अन्य बच्चों के साथ सामान्य रूप से खेल रहा था और किसी प्रकार की परेशानी जाहिर नहीं कर रहा था। परिवार को इस बात का बिल्कुल भी अंदेशा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा। घटना के बाद प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिस ब्लॉक में यह घटना हुई, वहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। कई परिवारों में भय और दहशत का माहौल दिखाई दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में इसी क्षेत्र में एक वृद्ध महिला की मौत की घटना भी सामने आई थी और अब छात्र की आत्महत्या ने लोगों को झकझोर दिया है। इससे कॉलोनी में रहने वाले परिवारों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है।

अंधेरे और अव्यवस्था पर भी उठे सवाल

स्थानीय रहवासियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी अभी पूरी तरह विकसित नहीं हो सकी है। कई स्थानों पर रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं रहती, जिससे लोगों को परेशानी होती है। वार्डवासियों ने नगर पालिका एवं संबंधित विभाग से कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि लोगों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

पीएम आवास कॉलोनी में दूसरी बड़ी घटना से दहशत

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में रहने वाले लोगों में भय और चिंता का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार हाल ही में इसी क्षेत्र में एक वृद्ध महिला की भी मौत हुई थी। अब छात्र की आत्महत्या की घटना ने पूरे परिसर को झकझोर दिया है। घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। कुछ परिवारों ने भय के चलते रात में अपने रिश्तेदारों के यहां जाने का निर्णय लिया। लोगों का कहना है कि नई बसाहट होने के बावजूद कॉलोनी में अभी भी कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

आप के छिंदवाड़ा जोन प्रभारी संतोष पप्पू छिलवाल का हुआ बालाघाट आगमन

पार्टी पदाधिकारियों सदस्यों व कार्यकर्ताओं से की मुलाकात, जानी समस्याए, संगठन को मजबूत बनाने पर दिया जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आम आदमी पार्टी के छिंदवाड़ा जोन प्रभारी संतोष पप्पू छिलवाल शनिवार को बालाघाट प्रवास पर पहुंचे। उनके आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने बालाघाट विधानसभा सहित जिले में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की तथा कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत बैठक कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में श्री छिलवाल ने पार्टी की रीति-नीति, संगठन की कार्यशैली और जनसंपर्क अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। यदि संगठन गांव-गांव तक सक्रिय रहेगा तो पार्टी निश्चित रूप से जनता का विश्वास जीतने में सफल होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें, सदस्यता अभियान को गति दें तथा आम आदमी पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को घर-घर तक पहुंचाएं। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना ही पार्टी की पहचान है। इस दौरान मुख्य रूप से रजनीश नायडू (आप स्टेट कोऑर्डिनेटर),शिव जायसवाल (जिला अध्यक्ष), अनिल ब्रम्हे (जिला सच्चिव) और दुर्गाप्रसाद कटरे (ओबीसी विंग जिला अध्यक्ष)जिलाध्यक्ष ग्रामीण मस्तराम डाहारे, रमन शुक्ला, इमरान खान, रामचंद्र सिंहारे सुरेश सिंग कारे, फिरो ? नियाजी, अरुण लानगे, प्रदीप नागेश्वर, आरिफ अली, प्रीतम लिल्हारे, संतोष अहिमारे दिनेश बघेले, रक्षेंद्र बिसेन, मजहर अली, ऊषा नगपुरे, सुजीत जायसवाल, सखाराम सराटे, पूरनलाल

रजक, महेन्द्र गनवीर, नरेंद्र गुप्ता, किरण पटले विद्या मेश्राम, धरमसिंह, रविंद्र पाटिल, भूपेंद्र विधकर्मा, धूमेश्वर बांते, हिमालय चारमोड़े, संदीप डहरवाल और प्रदीप बिसेन सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्थानीय मुद्दों को लेकर रखे गए सुझाव

बैठक के दौरान जिला एवं विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों ने संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, स्थानीय समस्याओं तथा पार्टी की गतिविधियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव रखे। कार्यकर्ताओं ने संगठन संचालन में आने वाली कठिनाइयों और क्षेत्रीय समस्याओं से भी जोन प्रभारी को अवगत कराया। इस पर श्री छिलवाल ने भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं को वरिष्ठ नेतृत्व तक पहुंचाकर उनके निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

प्रत्येक चुनाव में पार्टी उतारेंगी अपने उम्मीदवार

उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी आगामी समय में होने वाले प्रत्येक चुनाव को पूरी मजबूती और गंभीरता के साथ लड़ेगी। पार्टी ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत,नगर पालिका, नगर परिषद,विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपने प्रत्याशी उतारने की तैयारी कर रही है। इसके लिए अभी से संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जा रहा है ताकि चुनाव के समय पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों को लक्ष्य बनाकर अभी से जनसंपर्क अभियान तेज करने, बूथ स्तर पर समितियों का गठन करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और प्रत्येक गांव एवं वार्ड में पार्टी की सक्रिय इकाइयां बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और भ्रष्टाचार मुक्त शासन जैसे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

पत्रकार वार्ता में रखी पार्टी की रणनीति

देर शाम आयोजित पत्रकार वार्ता में संतोष पप्पू छिलवाल ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश को संगठनात्मक दृष्टि से 15 जोन में विभाजित किया गया है और सभी जोन प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों का लगातार दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में वे तीन से चार दिनों के बालाघाट प्रवास पर आए हैं। प्रवास के दौरान जिले की प्रत्येक विधानसभा का दौरा कर कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत मुलाकात की जा रही है। उनसे संगठन की स्थिति, स्थानीय मुद्दों और चुनावी तैयारियों को लेकर सुझाव लिए जा रहे हैं ताकि जमीनी स्तर पर मजबूत रणनीति तैयार की जा सके।श्री छिलवाल ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि जनता के बीच स्थायी संगठन खड़ा करना है। इसी दिशा में सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार और जनसंपर्क गतिविधियों को लगातार गति दी जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश में एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरेगी।उन्होंने अंत में कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जनहित के मुद्दों पर कार्य करना होगा। संगठन जितना मजबूत होगा, पार्टी उतनी ही प्रभावी ढंग से जनता की आवाज बन सकेगी और आगामी सभी चुनावों में मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

पैगंबर मोहम्मद साहब पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भरवेली में मुस्लिम समाज का प्रदर्शन

थाने पहुंचकर सौंपा ज्ञापन, नाजिया खान के खिलाफ एफआईआर और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इस्लाम के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब एवं हजरत आयशा सिद्दीका के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भरवेली, हीरापुर एवं आसपास के क्षेत्रों के मुस्लिम समाज में गहरा आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में समाज के लोग भरवेली थाना पहुंचे, जहां उन्होंने थाना प्रभारी के माध्यम से शासन-प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित व्यक्ति के

विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। ज्ञापन में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने की मांग भी उठाई गई। समाजजनों का कहना है कि कथित बयान से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इस प्रकार की टिप्पणियां समाज में भाईचारा एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करती हैं। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराते हुए प्रशासन से मामले में शीघ्र और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। वंग मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने कहा कि किसी भी धर्म, महापुरुष या धार्मिक आस्था के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास न करे। उन्होंने कहा कि देश में अमन, शांति और भाईचारा बनाए रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है तथा जो लोग नफरत फैलाने वाले बयान देते हैं, उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं जामा मस्जिद भरवेली के इमाम मौलाना अब्दुल अजीज रिजवी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि धार्मिक आस्थाओं का सम्मान प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने पहुंचे समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि वे कानून और संविधान पर पूर्ण विश्वास रखते हैं तथा प्रशासन से अपेक्षा करते हैं कि मामले में शीघ्र वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उनका कहना था कि किसी भी धर्म के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है। इस दौरान जामा मस्जिद के सदर फरीद खान, बड़ा हीरापुर के सदर रिजवान खान (बाँबी भाई), मस्जिद गरीब नवाज हीरापुर के सदर रहीम खान, हाफिज रियाज खान, हाजी सईद पाशा, साजिद खान, इमरान हुसैन, फारुख शेख, लियाकत अली, सोहेल खान, मोबीन खान, शहजाद खान, अहफाज खान, राजा खान, अरशद खान, बिट्टू खान, शाहिद खान, वहीद खान, मुन्ना भाई, रानू भाई, शकील बाबा, आशिफ नूरी, सानू, फैसल, उवैश सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

जंगली सूअर सामने आने से अनियंत्रित हुई मोटरसाइकिल, महिला सहित दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम बोरी मोहगांव में शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में जंगली सूअर के अचानक मोटरसाइकिल के सामने आ जाने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक महिला सहित दो लोग से घायल हो गई। घायल महिला भगवती पति सहसराम भंडारी 50 वर्ष ग्राम मोहगांव निवासी को लालबर्रा से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक अनुराग पिता राधेलाल उइके 22 वर्ष को मामूली चोटें आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार भागवंती भंडारी निवासी खेती मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। उनके परिवार में बेटा, बहू और नाती हैं। 26 जून की रात करीब 9 बजे भागवंती अपने पड़ोसी अनुराग उइके के साथ मोटरसाइकिल से बरघाट में आयोजित एक वास्तु कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। भागवंती मोटरसाइकिल के पीछे बैठी थीं बताया गया है कि मोहगांव गांव से बाहर निकलते ही अचानक एक जंगली सूअर मोटरसाइकिल के सामने आ गया। सूअर को बचाने के प्रयास में अनुराग मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो बैठा। जिससे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में दोनों सवार घायल हो गए।दुर्घटना में भागवंती भंडारी के सिर में गंभीर चोट आई जबकि अनुराग को मामूली चोटें लगीं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को लालबर्रा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने भागवंती की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। जिले में इसके पूर्व भी जंगली सूअर के कारण ऐसे कई हादसे हो चुके हैं।घटना के बाद क्षेत्र में जंगली जानवरों के अचानक सड़कों पर आ जाने से होने वाले हादसों को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है। फिलहाल भागवंती का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

डिपो में बांस एवं जलाऊ लकड़ी नहीं होने से क्षेत्रीयजन परेशान

अंतिम संस्कार और मकान मरम्मत के लिए बांस के लिए भटक रहे लोग, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के तहसील कार्यालय के समीप दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के डिपो में लंबे समय से बांस की भारी किल्लत बनी हुई है। साथ ही जलाऊ लकड़ी भी नही है। डिपो में बांस व जलाऊ लकड़ी के चट्ठे उपलब्ध न होने के कारण स्थानीयजनों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले आम नागरिकों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि लोग रोजमर्रा की जरूरी आवश्यकताओं से लेकर अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्यों के लिए भी बांस के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

इस तरह से अगर किसी व्यक्ति की आकस्मिक मृत्यु हो जाये तो उसे मोक्षधाम ले जाने के लिए बांस तक डिपों में उपलब्ध नही है। इतना ही नही शव के अंतिम संस्कार के लिए जरूरी जलाऊ लकड़ी का भी डिपो में अभाव है। लेकिन इस समस्या की ओर जिम्मेदारों का कोई ध्यान नही है जिससे क्षेत्रीयजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

क्षेत्रीयजनों ने वर्षभर डिपों में बांस एवं जलाऊ लकड़ी के चट्ठे रखने की वन विभाग से की मांग

अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं मिल रहा बांस

आपकों बता दे कि क्षेत्रीयजनों को जलाऊ लकड़ी एवं बांस, बल्ली उपलब्ध करवाने के लिए शासन के द्वारा वन विभाग के माध्यम से डिपों में जलाऊ लकड़ी रखकर चट्ठे एवं बांस नग के माध्यम से उन्हे निर्धारित दर से उपलब्ध करवाया जाता है। लेकिन दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के तहसील कार्यालय के समीप स्थित डिपो में विगत माह से जलाऊ लकड़ी, बांस उपलब्ध नही है, जिसके कारण लालबर्रा क्षेत्र के लोग जलाऊ लकड़ी एवं बांस के लिए परेशान हो रहे है। जबकि दहसंस्कार, तेरहवीं, बारसा, वैवाहिक कार्यक्रमों में जलाऊ लकड़ी की आवश्यकता पड़ती है। साथ ही गैस के दाम बढ़ने एवं गैस की किल्लत के चलते लोग अब पुरानी पध्दति चुल्हे पर खाना बनाना अधिक पसंद करने लगे है। किन्तु डिपों से जलाऊ लकड़ी नही मिलने के कारण उन्हे अन्य स्थानों से महंगे दामों में खरीदना पड़ रहा है। वहीं वर्तमान समय में मानसून सत्र शुरू हो चुका है और जिन लोगों के कं ंचे मकान है उन्हे मकान का मरम्मत कार्य हेतु बांस व बल्ली नही मिलने के कारण वे बेहद परेशान है। इसी तरह अगर किसी की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है उसे मोक्षधाम तक अंतिम संस्कार के लिए लेकर जाने के लिए भी बांस डिपो से नही मिल पा रहा है। डिपो में लंबे समय से जलाऊ लकड़ी एवं बांस की किल्लत बनी हुई है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या को दुर करने का कोई प्रयास नही किये जा रहे है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं स्थानीयजनों का कहना है कि डिपो में बांस की अनुपलब्धता का सबसे संवेदनशील असर अंतिम संस्कार जैसी आपातकालीन स्थितियों पर पड़ रहा है। हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार शव यात्रा (अर्थी) तैयार करने के लिए बांस की अनिवार्य आवश्यकता होती है। जब लोग आपात स्थिति में लालबर्रा डिपो पहुंच रहे हैं, तो उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। ऐसे में शोकाकुल परिवारों को मजबूरी में निजी वेंडरों से ऊंचे दामों पर या फिर दूर-दराज के इलाकों से बांस का इंतजाम करना पड़ रहा है, जिससे उनकी परेशानी दोगुनी हो गई है। साथ ही जलाऊ लकड़ी भी नही मिलने से क्षेत्रीयजन परेशान है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि डिपो में जल्द जलाऊ लकड़ी व बांस उपलब्ध करवाये।

मकान मरम्मत का कार्य भी ठप

बारिश का मौसम नजदीक आते ही ग्रामीण और गरीब तबके के लोग अपने कच्चे मकानों, झोपड़ियों और छप्परों की मरम्मत के कार्य में जुट जाते हैं। मकान की छत और दीवारों को सहारा देने के लिए डिपो से कम दरों पर मिलने वाले बांस की भारी मांग रहती हैं। लेकिन लालबर्रा डिपो में बांस का स्टॉक खत्म होने से सैकड़ों परिवारों के मकानों का मरम्मत कार्य अधर में लटका हुआ है। वहीं डिपो में बांस न होना सीधे तौर पर आम जनता के साथ खिलवाड़ है। अंतिम संस्कार जैसी दुःखद घड़ी में भी लोगों को बांस व लकड़ी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। जबकि इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता से बांस, जलाऊ लकड़ी के लिए लोग परेशान हो रहे है। वहीं डिपो से जो बांस व जलाऊ लकड़ी बेहद कम दरों पर आम जनता को मिल जाता था, उसी बांस व जलाऊ लकड़ी के लिए अब खुले बाजार में मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए इतनी महंगी दरों पर बांस व लकड़ी खरीदना नामुमकिन साबित हो रहा है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने वन विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि लालबर्रा डिपो में जल्द बांस व जलाऊ लकड़ी के चट्ठे की खेप उपलब्ध करवाये ताकि आम जनता को इस विकट समस्या से राहत मिल सके।

विपक्ष और सत्तापक्ष दोनों ही जनहित के मुद्दे पर साधे हुए है मौन - रवि

समाजसेवी रवि अग्रवाल ने बताया कि लालबर्रा विकासखंड बांस के सबसे बड़े उत्पादक क्षेत्रों में से एक माना जाता है। इसके बावजूद क्षेत्रीयजनों को बांस एवं लकड़ियां उपलब्ध नही हो पा रही है। जिससे मुझे तो ऐसा समझ आ रहा है कि इस शहर में अंधेर नगरी चौपट राजा जैसी स्थिति हो गई है। जब क्षेत्र के किसी व्यक्ति की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है तो परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए आवश्यक बांस और लकड़ियों के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। डिपो में लंबे समय से बांस एवं जलाऊ लकड़ी उपलब्ध नही है। अगर लकड़ी आती भी है तो वह एक-दो दिनों में ही समाप्त हो जाती है। श्री अग्रवाल ने बताया कि एक कैंडा 10 रूपये का मिल रहा है, ऐसे में एक गरीब व्यक्ति अपने परिजनों का अंतिम संस्कार कैसे करेगा? क्षेत्र में इतने सारे जनप्रतिनिधि होने के बावजूद जनता की इस मूलभूत समस्या पर कोई भी आवाज उठाने को तैयार नहीं है। विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ही इस जनहित के मुद्दे पर पूरी तरह मौन साधे हुए हैं। प्रशासन को प्री-मानसून के तहत डिपो में पर्याप्त मात्रा में बांस और लकड़ियों का एडवांस स्टॉक रखना चाहिए, ताकि बारिश के दिनों में लोगों को परेशानी न हो। लालबर्रा विकासखंड के अंदर तो ऐसा लगता है कि कोई माई-बाप ही नहीं है। ये अधिकारी और कर्मचारी पूरी तरह से निकम्मे और भ्रष्ट हो चुके हैं। जबकि वन विभाग क्षेत्रीयजनों की समस्या को देखते हुए निराकरण कर डिपो में जल्द बांस एवं जलाऊ लकड़ी उपलब्ध करवाये।

डिमांड भेजा गया है - सीता

दूरभाष पर दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी ने बताया कि डिमांड के अनुसार जलाऊ लकड़ी के चट्ठे नही आ रहे है और जो आते है उसका वितरण किया जाता है लेकिन जल्द की खत्म हो जाते है एवं बांस की भी कमी है। जलाऊ लकड़ी के चट्ठे एवं बांस उपलब्ध हेतु उच्चाधिकारियों को डिमांड भेजा गया है और किसी को अत्यंत बांस व जलाऊ लकड़ी की आवश्यकता है उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करवाने का भी पुरा प्रयास करेगें ताकि उन्हे परेशान न होना पड़े।

मोहगांव (बोरी) में नाली की सफाई नही होने से गंदगी का अंबार, ग्रामीण परेशान

ग्रामीणजनों ने नियमित रूप से नाली की सफाई करवाने की पंचायत से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) के अंतर्गत आने वाले वार्डों में स्थित नालियों की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने से नाली चोक हो चुकी है। साथ ही गंदगी होने से निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं गंदगी के कारण म' छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर ग्रामीणजनों को सता रहा है। वहीं लंबे समय से ग्रामीणजनों के द्वारा पंचायत क्षेत्र की समस्त नालियों की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है। जबकि बरसात का समय आने वाला है और नाली की सफाई नही होने से एवं बारिश होने पर रोड़ के ऊपर से पानी बहने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इसलिए ग्रामीणजनों ने सरपंच-सचिव से नालियों की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग की है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्डों की नालियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही करवाई गई है जिसके कारण कुछ स्थानों से नाली चोक हो चुकी है। ऐसी स्थिति में निवासरत लोगों के घरों एवं बारिश का पानी की निकासी नही होने एवं एक स्थान पर पानी जमा रहने से गंदगी हो रही है। जिसकी बदबु से लोग परेशान है और म' छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि पंचायत से नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी परेशान है। इसलिए पंचायत से मांग है कि बरसात के पूर्व सभी वार्ड की नालियों की सफाई करवाये ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके।

घोटी से बबरियाटोला पहुंच मार्ग खराब, आवागमन में हो रही परेशानी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी से बबरिया के बबरियाटोला पहुंच मार्ग खराब होने से आने-जाने वालों परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

साथ ही सड़क के बीच एवं अन्य स्थानों पर बने गड्ढे व दरारों के कारण हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की ओर कोई ध्यान ही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत घोटी से बबरियाटोला तक विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है। लेकिन सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही होने से सीमेन्टीकरण सड़क खराब होने के साथ ही बीच में दरारे आ गई है। जिससे रात्रि के समय सड़क के बीच में बने गेप दिखाई नही देने से वाहन के चक्के जाने से वाहन अनियंत्रित होने से बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटनाघटित हो सकती है। जबकि यह मार्ग घोटी होते हुए बबरिया, पिपरिया, छिंदलई सहित अन्य ग्रामों की ओर जाती है और इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है सभी को परेशानी हो रही है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से घोटी से बबरियाटोला पहुंच मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बसपा ने नीट परीक्षा और महंगाई सहित अन्य मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में शनिवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा आरक्षण के जनक, कोल्हापुर के राजा छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती को 'आरक्षण दिवस' के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने सर्वप्रथम शाहूजी महाराज सहित अन्य महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। जयंती कार्यक्रम को संयोधित करते हुए बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने शाहूजी महाराज के जीवनगाथाओं पर प्रकाश डाला और भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज ने शोषित और वंचित वर्ग को अधिकार दिलाने के लिए देश में आरक्षण की नींव रखी थी। परंतु वर्तमान सरकार जिस वर्ग की जितनी बहुलता है, उसे उस आधार पर आरक्षण नहीं दे रही है, जो कि सरासर गलत है। आगे कहा कि भाजपा के शासनकाल में नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं, भ्रष्टाचार चरम पर है और महंगाई लगातार बढ़ रही है। ऐसी जनविरोधी सरकार को सबक सिखाने के लिए सभी को संगठित होने का आव्हान किया।

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन

जयंती कार्यक्रम के समापन के बाद बसपा कार्यकर्ता व पदाधिकारियों क्षेत्र की ज्वलंत स्थानीय समस्याओं और राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर महामहिम रा'पाल के नाम तहसीलदार को 10 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें सरकार की जनविरोधी नीतियों पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए उसमें सुधार किये जाने की मांग की है। सौंपे गये ज्ञापन में देश में बढ़ती बेरोजगारी, चिकित्सा व्यवस्था में बदहाली, महंगाई और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता रखा है। जिसमें नीट परीक्षा के पेपर लीक करने वाले मुख्य दोषियों के खिलाफ तत्काल कठोर व दंडात्मक कानूनी कार्यवाही करने, किसानों को घोषित धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये वर्तमान तक अप्राप्त है, जिसका शीघ्र भुगतान करने, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि बिना किसी रूकावट के नियमित रूप से प्रदान करने, रासायनिक खाद के मूल्यों में दिनों-दिन हो रही बेतहाशा वृध्दि पर तत्काल रोक लगाकर कीमतें कम करने, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की कीमतों में हुई भारी बढ़ोत्तरी को जनहित में शीघ्र कम करने, शासकीय विभागों में ठेकेदारी प्रथा को पूर्णतः समाप्त कर बेरोजगार युवक-युवतियों को स्थायी शासकीय नौकरियां दिये जाने, प्रदेश में कार्यरत शिक्षकों से दोबारा पात्रता परीक्षा ली जा रही है, जिसका कोई औचित्य नहीं है; अतः इस परीक्षा कार्यक्रम को तत्काल रद्द करने, देश एवं प्रदेश के सभी शासकीय विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम को पुनः लागू करने, प्रदेश के सभी शासकीय विभागों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रमोशन में आरक्षण व्यवस्था सुनिश्चित कर शीघ्र पदोन्नति करने, लालबर्रा शासकीय चिकित्सालय में लंबे समय से रिक्त विशेषज्ञ डॉक्टरों के पदों पर तत्काल स्थायी भर्ती करने की मांग की है। वहीं उक्त मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष महेन्द्र, विधानसभा प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े, जिला उपाध्यक्ष रंजीत जुगनाके, पूर्व जिला प्रभारी दीपक मेश्राम, जिला सचिव काशीराम नगपुरे एवं जिला कोषाध्यक्ष संघर्ष मेश्राम सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्यारी बेटी मिस्बाह और बेटे सिफान को
यौम-ए-पैदाइश की बहुत-बहुत मुबारकबाद।
शुभेच्छु-समस्त खान परिवार आमाटोला-पांडरवानी लालबर्रा।

पीएम आवास की दूसरी किस्त ना मिलने से हितग्राही बेहाल, झोपड़ी में रहने को मजबूर

बारिश शुरू होते ही बढ़ा आशियाने का डर, प्रशासन के पास केवल आश्वासन कर्ज लेने को मजबूर हो रहे ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण इलाकों में गरीबों को पक्का मकान देने का दावा तो करती है । लेकिन जमीनी हकीकत प्रशासन की लेट लतीफी के कारण बदहाल नजर आ रही है। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामपायली सहित विभिन्न गांवों में इन दिनों पीएम आवास के सैकड़ों हितग्राही एक बड़ी विकट स्थिति का सामना कर रहे हैं। योजना की दूसरी किस्त नही मिलने के कारण जहां एक तरफ मकानों का निर्माण अधर में लटका है वहीं दूसरी तरफ मानसून बारिश की शुरुआत ने इन परिवारों की रातों की नींद उड़ा दी है।

आशियाना तोड़कर टेंट में रहने को मजबूर ग्रामीण बारिश ने बढ़ाई आफत

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी जनपद के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में निवासरत सैकड़ों गरीब परिवारों को पीएम आवास योजना के तहत लाभान्वित किया गया था। योजना के नियमानुसार हितग्राहियों के खातों में प्रथम किस्त की राशि तत्काल डाल दी गई थी। बारिश से पहले अपने सपनों का आशियाना पूरा करने की चाह में इन परिवारों ने अपने पुराने कच्चे मकानों को तोड़कर नए निर्माण की कवायद शुरू कर दी थी। वर्तमान में स्थिति यह है कि इन परिवारों के पास रहने के लिए पक्की छत नहीं है। वें मकान निर्माण स्थल के पास ही खाली पड़ी जमीन पर टेंट,त्रिपाल और पन्नी लगाकर अस्थाई झोपड़ियों में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। बीते दिनों हुई शुरुआती बारिश के कारण इन झोपडियों में पानी घुस गया है जिससे गृहस्थी का सामान भी भीग रहा है। ग्रामीणों को डर है कि आगे आने वाले भारी बारिश के लंबे दौर में ये त्रिपाल के अस्थाई मकान कब तक उनका साथ दे पाएंगे।

जियो टैग और सेंटरिंग तैयार पर खाते खाली

तकनीकी रूप से हितग्राहियों ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। अधिकांश हितग्राहियों के मकान लेंटर या स्लैब की ऊंचाई तक बनकर तैयार हो चुके हैं। शासन के नियम अनुसार सभी मकानों का जियो टैग भी किया जा चुका है और पंचायत सचिवों के द्वारा निर्माण कार्य की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड कर दी गई हैं। कई ग्रामीणों ने तो अपने मकानों में सेंटरिंग तक बांधकर रख दी है ताकि जैसे ही दूसरी किस्त की राशि आए वे तुरंत स्लैब डाल सकें। लेकिन पोर्टल पर सब कुछ ओके होने के बाद भी शासन स्तर से राशि अटकी हुई है। परेशान और डरे.सहमे हितग्राही लगातार अपनी गुहार लेकर ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत वारासिवनी के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन अधिकारियों और जिम्मेदारों के पास उन्हें देने के लिए कोई संतोषजनक जवाब नहीं है। हर बार ग्रामीणों को आश्वासन थमा दिया जाता है की शासन से राशि आते ही आपके खातों में डाल दी जाएगी। परंतु यह राशि कब आएगी इसकी कोई निश्चित समय सीमा बताने को तैयार नहीं है।

पूंजी खत्म अब कर्ज के जाल में फंसने की नौबत

पहली किस्त मिलने के बाद उन्होंने अपनी जीवनभर की जमापूंजी भी उस मकान को खड़ा करने में लगा दी थी। अब वे पूरी तरह से आर्थिक रूप से खाली हो चुके हैं। इस संकट की घड़ी में जब सिर पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है तो कई परिवार ऊंचे ब्याज दरों पर कर्ज लेने के लिए भी मजबूर हो रहे हैं। वे इधर उधर हाथ पैर मार रहे हैं ताकि किसी तरह छत डल सके भले ही इसके लिए उन्हें कर्ज के दलदल में क्यों ना फंसना पड़े। एक तरफ सरकार जहां हर गरीब को पक्की छत देने का दम भरती है वहीं ऐन बारिश के मौसम में किस्तों को रोककर गरीबों को बेसहारा छोड़ दिया गया है। प्रशासनिक उदासीनता के कारण अब प्रभावित ग्रामीणों के भीतर शासन और प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश पनप रहा है। पीड़ित हितग्राहियों ने सामूहिक रूप से शासन से मांग की है कि उनकी इस विकट परिस्थिति को देखते हुए तत्काल प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त जारी की जाए ताकि वे इस मानसूनी आफत में सुरक्षित रह सकें।

आवास हितग्राहियों को राशि नही मिलने से बहुत परेशान है-विक्रम दावने

हितग्राही विक्रम दानवे ने बताया कि मेरा मकान प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृत हुआ। मेरे द्वारा तत्काल अपने मकान को तोड़कर काम चालू करवा दिया गया अब काम अवरुद्ध हो गया। क्योंकि किस्त नहीं आ रही है पहली किस्त हमें मिली थी ग्राम पंचायत जाओ तो वहां कहा जाता है कि आ जाएगी। अब हमें तकलीफ हो रही है काम चालू है पैसा आ नहीं रहा है पूंजी हमारी खत्म हो रही है इधर उधर से मांग कर हम काम कर रहे हैं कर्ज भी उठाना पड़ रहा है। रहने के लिए हमने झोपड़ी बनाई हैं वह भी बारिश में नहीं टिक पाएगी यदि शासन हमारा पैसा डाल दे तो हम मकान की छत डाल देंगे। यह स्थिति अकेले मेरे साथ नहीं बहुत से प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही है उनके भी साथ है हर कोई परेशान है कहीं संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है।

झोपड़ी में रहने आवास हितग्राही मजूबर-जगदीश बंसोड़

जनपद सदस्य जगदीश बंसोड़ ने बताया कि पीएम आवास मकान की पहली किस्त डाल दी गई है उसके बाद कोई किस्त नहीं आई है जिससे लोग परेशान हैं। मकान बनाने के लिए लोग उधर ईट सीमेंट लोहा ला रहे हैं तो वहीं मिस्त्री की मजदूरी देने के लिए कर्ज उठा रहे हैं बहुत विकट समस्या है। आम आदमी अब परेशान हो चुका है हमारे यहां रोजगार सहायक ने मकान का जिओ टेक भी कर दिया है। हालांकि बरसात चालू हो गई है अभी पानी आया नहीं है पर आगे आएगा उस समय यह कहां रहेंगे मकान टूट चुके हैं झोपड़ी में रह रहे हैं। शासन प्रशासन को ध्यान देना चाहिए कि उन्होंने लाभ गरीब लोगों को दिया है वह अपनी शक्ति के अनुसार मकान बना रहे हैं परंतु शासन से निर्धारित योजना की राशि उन्हें जल्द दी जानी चाहिए।

खेत गए बुजुर्ग पर जंगली सूअर ने किया हमला

घायल को हाथ पैर में चोट सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गर्रा के गर्राटोला में उस समय हड़कंप मच गया जब सुबह खेती का काम देखने गए एक ६० वर्षीय बुजुर्ग पर जंगली सूअर ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में बुजुर्ग घायल हो गए हैं जिन्हें उपचार के लिए तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहाँ फिलहाल उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्राटोला निवासी छोटेलाल पिता शोभाराम मसराम उम्र ६० वर्ष अपने परिवार के साथ गाँव में रहते हैं। उनकी खेती गर्राटोला से झाड़गांव मार्ग पर नहर के किनारे स्थित है। प्रतिदिन की तरह २७ जून की सुबह भी छोटेलाल पैदल ही अपने खेतों की ओर निकले थे। जैसे ही वे नहर की पार से होकर अपने खेत में दाखिल हो रहे थे तभी रास्ते में स्थित झाड़ियों को उनका हाथ छू गया। झाड़ी में पहले से ही एक जंगली सूअर छिपा बैठा था। हाथ लगते ही सूअर ने अचानक बाहर निकलकर छोटेलाल पर जोरदार टक्कर मारते हुए हमला बोल दिया। हमला इतना अप्रत्याशित था कि बुजुर्ग को संभलने तक का मौका नहीं मिला और वे जमीन पर गिर पड़े। जंगली सूअर के इस हमले में उनके हाथ और पैर में चोटें आई हैं। घटना के दौरान जब छोटेलाल ने शोर मचाया तो आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य किसान और ग्रामीण तुरंत मौके की ओर दौड़े। लोगों को अपनी तरफ आता देख जंगली सूअर वहाँ से भाग निकला। ग्रामीणों ने तुरंत लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़े छोटेलाल को उठाया और घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। इसके बाद परिजन आनन फानन में घायल बुजुर्ग को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार किया जा रहा है। अस्पताल में उपचाराधीन घायल छोटेलाल मसराम ने बताया की अभी खरीफ का सीजन चालू हो गया है। मैं खेती बाड़ी देखने गया था तभी झाड़ी से निकले सूअर ने मुझे टक्कर मार दी। हमारे क्षेत्र में जंगली सूअरों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ गई है ये कहीं भी और किसी पर भी हमला कर देते हैं। कई बार लोग किस्मत अच्छी होने से बच जाते हैं तो कई बार मेरी तरह लहूलुहान होना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि ये जंगली सूअर अकेले नहीं बल्कि पूरे कुनबे के साथ खेतों में विचरण करते हैं। ये ना केवल इंसानों के लिए खतरा बने हुए हैं बल्कि खेतों को खोदकर फसलों को उखाड़कर और रौंदकर पूरी तरह से बर्बाद कर देते हैं। जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस हादसे के बाद से क्षेत्र के किसानों में भारी दहशत का माहौल है। खरीफ सीजन की शुरुआत होने के कारण इस समय खेतों में बुवाई और अन्य कृषि कार्य जोरों पर हैं। लेकिन जंगली सूअरों के खौफ के कारण अब किसान खेतों में अकेले जाने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में जंगली सूअरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और आए दिन हादसे हो रहे हैं । लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग के द्वारा अब तक इस समस्या से निपटने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को संज्ञान में लेते हुए जल्द से जल्द सूअरों की धरपकड़ की जाए और प्रभावित किसानों को सुरक्षा एवं उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

तहसील परिसर में ३ दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ समापन

प्राचीन शिव हनुमान मंदिर में विराजे भोलेनाथ का परिवार, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने टेका मत्था

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के तहसील कार्यालय परिसर में स्थित अत्यंत प्राचीन शिव हनुमान मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय श्री शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन विधि विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। २५ जून से शुरू हुए इस धार्मिक अनुष्ठान के अंतिम दिन २७ जून को मंदिर में भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती, भगवान श्री गणेश, भगवान कार्तिकेय और नंदी की नवीन प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस त्रिदिवसीय धार्मिक महोत्सव की शुरुआत २५ जून को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ हुई थी। पहले दिन विद्वान आचार्यों के सानिध्य में विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद एक भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। देवी देवताओं की प्रतिमाओं के साथ निकाली गई यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख चौक चौराहों और गलियों का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची। महोत्सव के दूसरे दिन २६ जून की सुबह से ही मंदिर परिसर वैदिक मंत्रों की गूंज से सराबोर रहा। इस दौरान आचार्यों के द्वारा प्रतिमाओं के जलाधिवास, अन्नाधिवास, फलाधिवास और शैयाधिवास सहित अन्य सभी जरूरी वैदिक अधिवास व अनुष्ठान पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न कराए गए। २७ जून की सुबह ७ बजे से मुख्य प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मुख्य यजमानों की उपस्थिति में संपूर्ण शिव परिवार की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके बाद भगवान भोलेनाथ का विशेष रुद्राभिषेक किया गया। अनुष्ठान के पूर्ण होने पर पूर्णाहूति हवन पूजन और भव्य महाआरती उतारी गई। महाआरती के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसादी का वितरण किया गया जो देर शाम तक चलता रहा। प्राण प्रतिष्ठा के इस पावन अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल अपने समर्थकों के साथ तहसील कार्यालय स्थित मंदिर पहुंचे। उन्होंने शिव परिवार और हनुमान जी के दर्शन कर भगवान का आशीर्वाद ग्रहण करने के बाद उन्होंने नगर सहित पूरे क्षेत्र की सुख शांति और समृद्धि की कामना की। कैलाश दुल्हानी ने बताया की तहसील कार्यालय परिसर में स्थित यह शिव हनुमान मंदिर बहुत प्राचीन है और नगर वासियों की इससे गहरी आस्था जुड़ी है। भक्तों के सहयोग से इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। पूर्व में यहां हनुमान जी के साथ भगवान शिव और नंदी जी की प्रतिमा स्थापित थी जो काफी पुरानी होने के कारण खंडित हो गई थीं। शास्त्रों के नियमों के अनुसार पुरानी प्रतिमाओं का विसर्जन कर अब यहां पूरे शिव परिवार की नई प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। इस पूरे तीन दिवसीय आयोजन के दौरान तहसील परिसर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई और पुण्य लाभ कमाया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, कैलाश दुल्हानी, मनोज लिल्हारे, अरमान खान, बालु, सुधीर शर्मा, जीतू पुरी, बब्बू डैटवार, संतोष आड़े, महेन्द्र कावडे,सुरेश डहरवाल , दीपक राहगंडाले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महामाया बुद्ध विहार में छत्रपति साहू महाराज जयंती का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १ स्थित महामाया बुद्ध विहार में फुले अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में सामाजिक न्याय के प्रणेता छत्रपति साहू महाराज की जयंती कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बौद्ध उपासक और उपासिकाओं की गरिमामय उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में उपस्थित जनों के द्वारा छत्रपति साहू जी महाराज के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलित कर और माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात सामूहिक पूजा वंदना की गई और उपस्थित जनसमुदाय को उनके जीवन संघर्षों व विचारों से अवगत करवाते हुए कहाँ की हम एक ऐसे महान दूरदर्शी समाज सुधारक और शोषितों.वंचितों के मसीहा की जयंती मना रहे हैं जिन्होंने भारतीय समाज की नींव को समानता और न्याय से सींचा। कोल्हापुर की रियासत के राजा होने के बावजूद उनका दिल कभी महलों की चकाचौंध में नहीं अटका। उनका पूरा जीवन समाज के उस अंतिम व्यक्ति के हक की लड़ाई में बीता जिसे सदियों से सिर उठाने की इजाज़त नहीं थी। साहू जी महाराज सिर्फ बातों के राजा नहीं थे वे बदलाव के प्रणेता थे। जब उन्होंने देखा कि राज्य के प्रशासन में केवल एक खास वर्ग का कब्ज़ा है और पिछड़े व दलित समाज को कोई मौका नहीं मिल रहा तो उन्होंने एक क्रांतिकारी कदम उठाया। २६ जुलाई १९०२ को उन्होंने कोल्हापुर प्रशासन में पिछड़े और वंचित वर्गों के लिए ५० प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की। यह आधुनिक भारत के इतिहास में सामाजिक न्याय और आरक्षण की पहली शुरुआत थी। उनका मानना था कि जब तक सबको बराबरी का मौका नहीं मिलेगा तब तक सच्चा विकास हो ही नहीं सकता। अपने राज्य में प्राथमिक शिक्षा को मुफ्त और अनिवार्य बनाया। बच्चों के लिए स्कूल और हॉस्टल खुलवाए लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ज़ोर दिया और महिला सशक्तिकरण की नींव रखी। उन्होंने देवदासी प्रथा सती प्रथा और बंधुआ मज़दूरी जैसी कुप्रथाओं पर पूरी तरह रोक लगा दी ऐसे कई अनेक कार्य उनके द्वारा किए गए। साहू जी महाराज का जीवन हमें सिखाता है कि पद और शक्ति का असली उपयोग दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज़ से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है—यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज़ है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज़ अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता। आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं—जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेज़ों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज़ हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता। हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेज़ों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं। विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज़ पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

विनम्रता बनाम दादागिरी-व्यक्तित्व, नेतृत्व और सफलता की असली कसौटी-समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर आज का युग प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन और प्रभाव का युग माना जाता है। सोशल मीडिया से लेकर कॉर्पोरेट जगत, राजनीति से लेकर सामाजिक जीवन तक हर जगह स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने की होड़ दिखाई देती है। ऐसे वातावरण में अनेक लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि कठोरता, दबंगई, दादागिरी और दूसरों पर अपना प्रभाव थोपना ही सफलता का मार्ग है। कुछ समय के लिए यह तरीका प्रभावशाली दिखाई दे सकता है, लेकिन इतिहास, समाज और मानव मनोविज्ञान का गहन अध्ययन बताता है कि स्थायी सफलता, सम्मान और नेतृत्व का आधार दादागिरी नहीं बल्कि विनम्रता होती है। विनम्रता वह शक्ति है जो लोगों को जोड़ती है, जबकि दादागिरी वह प्रवृत्ति है जो लोगों को दूर करती है। विनम्रता और दादागिरी दो विपरीत मानवीय प्रवृत्तियाँ हैं। विनम्रता में सम्मान,सहिष्णुता, संवाद,संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का समावेश होता है, जबकि दादागिरी में अहंकार, भय,दबाव,असहिष्णुता और दूसरों को नियंत्रित करने की मानसिकता शामिल होती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विनम्र व्यक्ति अपनी उपलब्धियों के बावजूद सहज बना रहता है, जबकि दादागीर व्यक्ति छोटी उपलब्धियों को भी अपने अहंकार का आधार बना लेता है।यही कारण है कि समाज में विनम्र व्यक्तियों को दीर्घकालिक सम्मान मिलता है, जबकि दादागिरी करने वाले लोग केवल अस्थायी भय पैदा कर पाते हैं। साथियों, भारतीय संस्कृति सदैव विनम्रता को मानव का सर्वोत्तम आभूषण मानती रही है। हमारे शास्त्रों, संतों और महापुरुषों ने बार-बार यह संदेश दिया है कि ज्ञान, शक्ति और पद तभी सार्थक हैं जब उनके साथ विनम्रता जुड़ी हो।

जिस प्रकार फल से लदा हुआ वृक्ष झुक जाता है, उसी प्रकार गुणों और उपलब्धियों से सम्पन्न व्यक्ति भी स्वभाव से विनम्र हो जाता है। इसके विपरीत, खोखला वृक्ष सीधा खड़ा रहता है। यह प्रकृति का सरल संदेश है कि वास्तविक महानता प्रदर्शन नहीं करती, बल्कि अपने व्यवहार से पहचानी जाती है। साथियों आज के आधुनिक जीवन में दादागिरी अनेक रूपों में दिखाई देती है। कभी यह पद के अहंकार के रूप में सामने आती है, कभी धन के घमंड के रूप में, कभी ज्ञान के अभिमान के रूप में और कभी सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रदर्शन के रूप में। कुछ लोग अपने अधिकारों का उपयोग सेवा के लिए नहीं बल्कि दूसरों को नीचा दिखाने के लिए करते हैं। वे मानते हैं कि कठोर व्यवहार से वे अधिक प्रभावशाली दिखाई देंगे लेकिन वास्तविकता यह है कि भय से प्राप्त सम्मान कभी स्थायी नहीं होता।

जैसे ही शक्ति समाप्त होती है, वैसा सम्मान भी समाप्त हो जाता है। इसके विपरीत विनम्रता से अर्जित सम्मान जीवन भर लोगों के हृदय में बना रहता है। साथियों, मानव मनोविज्ञान भी यही बताता है कि लोग उन व्यक्तियों के साथ अधिक सहज महसूस करते हैं जो विनम्र होते हैं। विनम्र व्यक्ति दूसरों की बात सुनता है, उनकी भावनाओं को समझता है और संवाद के लिए स्थान देता है। दूसरी ओर दादागीर व्यक्ति केवल अपनी बात मनवाना चाहता है। परिणामस्वरूप उसके आसपास भय और असंतोष का वातावरण बन जाता है। ऐसे व्यक्ति के साथ लोग मजबूरी में रहते हैं, खुशी से नहीं। वहीं विनम्र व्यक्ति के साथ लोग स्वेच्छा से जुड़ते हैं और उसे अपनासटीक मार्गदर्शक मानते हैं। साथियों कॉर्पोरेट जगत में भी आज नेतृत्व की परिभाषा बदल रही है। पहले कठोर और आदेशात्मक नेतृत्व को प्रभावी माना जाता था, लेकिन अब शोध बताते हैं कि विनम्र नेता अधिक सफल होते हैं। वे अपनी टीम को प्रेरित करते हैं, सहयोग को बढ़ावा देते हैं और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं। दादागिरी करने वाला प्रबंधक कर्मचारियों से काम तो करा सकता है, लेकिन उनकी निष्ठा और रचनात्मकता प्राप्त नहीं कर सकता। जबकि विनम्र नेतृत्व कर्मचारियों को संगठन का भागीदार बना देता है।

साथियों, परिवार और रिश्तों में भी यही सिद्धांत लागू होता है। दादागिरी से परिवार चलाया जा सकता है, लेकिन खुशहाल परिवार नहीं बनाया जा सकता। रिश्तों में प्रेम, सम्मान और विश्वास की आवश्यकता होती है। यदि परिवार का कोई सदस्य केवल अपनी बात मनवाने का प्रयास करता है, तो धीरे-धीरे संबंधों में दूरी बढ़ने लगती है। इसके विपरीत विनम्र व्यवहार रिश्तों में मधुरता लाता है। एक मधुर शब्द कई बार वह काम कर देता है जो कठोर आदेश नहीं कर सकते। साथियों, समाज में भी विनम्रता का प्रभाव अत्यंत व्यापक होता है। विनम्र व्यक्ति विवादों को बढ़ाने के बजाय उन्हें सुलझाने का प्रयास करता है। वह समाज में समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। वहीं दादागिरी समाज में विभाजन, तनाव और संघर्ष को जन्म देती है। इतिहास में अनेक साम्राज्य अहंकार के कारण नष्ट हुए हैं, जबकि विनम्र नेतृत्व ने समाजों को प्रगति और स्थिरता प्रदान की है। साथियों, भारतीय प्रवासी समुदाय इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। दुनिया के विभिन्न देशों में बसे भारतीयों को उनकी मेहनत, योग्यता और विनम्रता के कारण विशेष सम्मान प्राप्त होता है। चाहे वे वैज्ञानिक हों, डॉक्टर हों, इंजीनियर हों, उद्यमी हों या साधारण कर्मचारी, उनकी कार्यशैली और व्यवहार उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। यह सम्मान केवल तकनीकी दक्षता के कारण नहीं, बल्कि विनम्रता और सहयोग की भावना के कारण भी प्राप्त होता है।विनम्रता को कभी भी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। वास्तव में विनम्र होना अत्यंत साहस का कार्य है। अहंकार दिखाना आसान है, लेकिन उपलब्धियों के बावजूद विनम्र बने रहना कठिन है। दादागिरी क्षणिक शक्ति का प्रदर्शन है, जबकि विनम्रता आत्मबल का प्रमाण है। जो व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण रख सकता है, वही वास्तव में शक्तिशाली होता है। क्रोध, अहंकार और कटुता पर विजय प्राप्त करना किसी भी बाहरी विजय से अधिक महत्वपूर्ण है।

साथियों, जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी विनम्रता अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। संकट के समय दादागिरी करने वाला व्यक्ति अकेला पड़ जाता है, क्योंकि उसके आसपास केवल भय के कारण जुड़े लोग होते हैं। वहीं विनम्र व्यक्ति को समाज, मित्रों और परिवार का सहयोग प्राप्त होता है। उसका व्यवहार ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी बन जाता है। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों में भी वह अधिक मजबूत होकर उभरता है।विनम्रता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष सीखने की क्षमता है। विनम्र व्यक्ति स्वीकार करता है कि उसे सब कुछ नहीं पता। इसलिए वह निरंतर सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करता है। इसके विपरीत दादागीर व्यक्ति स्वयं को सर्वज्ञ मान लेता है और सीखने की प्रक्रिया को रोक देता है। परिणामस्वरूप उसका विकास सीमित हो जाता है। ज्ञान का वास्तविक द्वार तभी खुलता है जब मन में विनम्रता हो।

साथियों,प्रकृति भी हमें विनम्रता का पाठ पढ़ाती है। नदी जितनी गहरी होती है, उतनी ही शांत दिखाई देती है। विशाल वृक्ष जितना फलदार होता है, उतना ही झुकता है। इसी प्रकार जीवन में जो व्यक्ति जितना अधिक विकसित होता है, उसके व्यवहार में उतनी ही अधिक विनम्रता दिखाई देती है। यही कारण है कि महान वैज्ञानिक, संत, समाजसेवी और नेता अपनी उपलब्धियों के बावजूद सटीकता से सरल और सहज बने रहते हैं।

साथियों, एक प्रसिद्ध कहावत है कि जीवन में कुछ बनने के लिए विनम्र होना जरूरी है, क्योंकि बीज को भी पेड़ बनने के लिए मिट्टी के नीचे दबना पड़ता है। यह कथन जीवन का गहरा सत्य प्रस्तुत करता है। बीज यदि मिट्टी में दबने से इंकार कर दे तो वह कभी वृक्ष नहीं बन सकता। उसी प्रकार मनुष्य यदि अपने अहंकार को त्यागने के लिए तैयार नहीं है, तो वह अपनी पूर्ण क्षमता तक नहीं पहुँच सकता। विनम्रता विकास की पहली शर्त है।आज जब समाज में दिखावा, प्रतिस्पर्धा और अहंकार बढ़ रहा है, तब विनम्रता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। आने वाली पीढ़ियों को यह समझाना आवश्यक है कि वास्तविक सफलता केवल पद, पैसा और प्रसिद्धि नहीं है। वास्तविक सफलता वह है जिसमें व्यक्ति अपनी उपलब्धियों के साथ- साथ अपने मानवीय गुणों को भी सुरक्षित रखे। यदि उपलब्धियाँ बढ़ती जाएँ और विनम्रता घटती जाए, तो वह सफलता अधूरी है।

अतः अगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कहा जा सकता है कि दादागिरी लोगों को झुका सकती है, लेकिन दिल नहीं जीत सकती। विनम्रता लोगों के दिलों में स्थान बनाती है और स्थायी सम्मान दिलाती है। दादागिरी भय पैदा करती हैं, विनम्रता विश्वास पैदा करती है। दादागिरी संघर्ष बढ़ाती है, विनम्रता समाधान खोजती है। दादागिरी अस्थायी प्रभाव देती है, जबकि विनम्रता स्थायी विरासत छोड़ती है। इसलिए यदि जीवन में सम्मान,सफलता, सुख,शांति और सार्थक रिश्ते चाहिए, तो दादागिरी नहीं बल्कि विनम्रता को अपनाना होगा। यही मानव जीवन का बहुमूल्य श्रृंगार, श्रेष्ठ गुण और सफलता का सबसे प्रभावशाली अस्त्र है।विनम्रता वह शक्ति है जो बिना शोर किए दुनिया जीत लेती है, जबकि दादागिरी वह कमजोरी है जो शोर तो बहुत करती है, पर अंततः स्वयं ही हार जाती है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

-कांतिलाल मांडोत

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट आधारित वित्तीय सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगों ने भी अपनी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया है। इन अपराधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका तथाकथित म्यूल अकाउंट या फर्जी बैंक खातों की होती है, जिनका उपयोग अवैध रूप से प्राप्त धनराशि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसी समस्या से निपटने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भरूच साइबर क्राइम पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

भरूच में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराध केवल कंप्यूटर या मोबाइल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं, जो बैंक खातों, मोबाइल सिम कार्डों और डिजिटल पहचान का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देते हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्रों और गलत दस्तावेजों की सहायता से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धन को जमा करने और बाद में अन्य खातों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था। साइबर अपराध की दुनिया में म्यूल अकाउंट एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सामान्य भाषा में इसे ऐसे बैंक खाते के रूप में समझा जा सकता है जिसका उपयोग अपराधी अपने अवैध लेन-देन को छिपाने के लिए करते हैं। कई बार अपराधी स्वयं खाते नहीं खोलते, बल्कि दूसरे लोगों को लालच देकर या उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर खाते खुलवा लेते हैं। इसके बाद ठगी से प्राप्त धन इन खातों में जमा किया जाता है और फिर कई चरणों में विभिन्न खातों में भेजकर उसके स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता है। इससे जांच एजेंसियों के लिए वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

भरूच में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि उन्होंने पहले से खरीदे गए मोबाइल सिम कार्डों को बैंक खातों से जोड़ रखा था। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इन खातों में जमा होती थी और फिर उसे विभिन्न माध्यमों से आगे भेज दिया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का उद्देश्य अवैध धन के प्रवाह को वैध दिखाना और जांच एजेंसियों को भ्रमित करना था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज बरामद किए हैं, जो इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते हैं।

गुजरात पुलिस का ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साइबर अपराधों की जड़ों तक पहुंचने का प्रयास भी है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। फर्जी कॉल, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, ऑनलाइन नौकरी का झांसा, केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लोन ऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों ने आम नागरिकों की सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इन अपराधों में प्राप्त धनराशि को छिपाने के लिए म्यूल खातों का उपयोग व्यापक स्तर पर किया जाता है। इसलिए इन खातों के नेटवर्क को तोड़ना साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि साइबर अपराधों को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब अधिक सक्रिय और तकनीकी रूप से सक्षम हो रही हैं। डिजिटल अपराधों की जांच में अब डेटा विश्लेषण, साइबर फॉरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इससे अपराधियों तक पहुंचने और उनके नेटवर्क का पर्दाफाश करने में सहायता मिल रही है। हालांकि केवल पुलिस कार्रवाई से ही साइबर अपराधों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सकता। इसके लिए आम नागरिकों की जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। साइबर अपराधी अक्सर लोगों की लापरवाही, जानकारी की कमी और लालच का फायदा उठाते हैं। कई लोग थोड़े से आर्थिक लाभ के लिए अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग करने के लिए दे देते हैं। बाद में यही साधन साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने लगते हैं और संबंधित व्यक्ति भी कानूनी परेशानी में फंस सकता है। इसलिए पुलिस ने नागरिकों से विशेष रूप से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी, इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को न दें।

आज के समय में साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्कता सबसे बड़ा हथियार है। किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा फोन, संदेश या ईमेल के माध्यम से मांगी गई व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। बैंक, सरकारी संस्थान या प्रतिष्ठित कंपनियां कभी भी फोन पर ओटीपी, पासवर्ड या बैंकिंग विवरण नहीं मांगतीं। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की जानकारी मांगता है तो उसे तुरंत संदिग्ध मानना चाहिए। इसी प्रकार सोशल मीडिया पर प्राप्त होने वाले आकर्षक ठगी की गई राशि को आगे स्थानांतरित होने से रोका जा सके।

भरूच में हुई यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई नहीं कर रहीं हैं, बल्कि उन नेटवर्कों को भी निशाना बना रही हैं जो साइबर ठगी को संभव बनाते हैं। ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 जैसे अभियान डिजिटल अपराधों के खिलाफ एक मजबूत रणनीति का हिस्सा हैं और भविष्य में ऐसे अभियानों से साइबर अपराधियों के लिए काम करना और अधिक कठिन हो जाएगा।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में साइबर सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। जागरूकता, सतर्कता और तकनीकी समझ के माध्यम से ही साइबर अपराधों के खतरे को कम किया जा सकता है। भरूच की यह घटना हमें याद दिलाती है कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके खोज रहे हैं, इसलिए समाज को भी अपनी सुरक्षा के प्रति उतना ही सजग और जिम्मेदार होना होगा। तभी डिजिटल भारत का सपना सुरक्षित और मजबूत आधार पर आगे बढ़ सकेगा।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे ब ?ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मर्यादाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का ब ?ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पी ?ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है। जब समाज में व्यक्ति अपने स्वार्थ, वासना और तात्कालिक सुख को ही सर्वोच्च मानने लगे, तब रिश्ते साधना नहीं, सौदे बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि परिवार, शिक्षा, धर्म, मीडिया और शासन-सभी मिलकर मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, संवाद, नैतिकता और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। क्योंकि यदि मानवीय रिश्तों की बुनियाद ही हिल गई, तो न केवल परिवार टूटेंगे, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सभ्यता का पूरा ढांचा भी संकट में पड़ जाएगा।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों में बनी नरमी से शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार सुस्त रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना 6000-6050 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार आयातित मालों में बनी सुस्ती के मद्देनजर शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार घटाकर बोले गये। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना 6000-6050 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में व्यापार की मात्रा कम ही रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4230-4310, खोपरा गोला 330-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारी?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्स्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 3250-3300, (200) 3750-3800, (250) 4400-4500

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2460, सोया साल्वेंट 1365-1370, सोया रिफाइंड 1430-1435, कपास्या 1460, धूलिया 1465, कड़ी 1465,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1540, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1455,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-5950, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडि?यम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडि?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडि?यम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूत नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 227000, चाँदी (99) 226800, टंच 226200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 145000,

सरकारी गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान, लक्ष्य से आगे निकला देश

नई दिल्ली। एजेंसी। इस वर्ष देश में सरकारी गेहूं खरीद ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। केंद्र सरकार ने निर्धारित 355.4 लाख टन के लक्ष्य को पार करते हुए 21 जून तक कुल 357.6 लाख टन गेहूं की खरीद की है। यह पिछले साल की समान अवधि की 299.5 लाख टन खरीद से लगभग 19 फीसदी अधिक है, जो किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने में सहायक है। यह अभूतपूर्व सफलता मुख्य रूप से गेहूं उत्पादन में वृद्धि और सरकार की व्यापक खरीद व्यवस्था के कारण संभव हुई है। प्रारंभिक 303 लाख टन के खरीद लक्ष्य को, बेहतर उत्पादन और राज्यों की मांग पर, चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 355.4 लाख टन तक किया गया था। इस खरीद अभियान में कई राज्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। पंजाब (121.6 लाख टन) और मध्य प्रदेश (104.4 लाख टन) का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा।

इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने दिखाया दम, निवेशकों में लौटी खुशी

मुंबई। एजेंसी। पिछले हफ्ते मोहर्रम की छुट्टी के कारण भारतीय शेयर बाजार में केवल चार कारोबारी सत्र रहे, जो उतार-चढ़ाव से भरे रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को शानदार उछाल के साथ हुई, निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई। हालांकि, मंगलवार को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली, जिससे शुरुआती बढ़त बेअसर हो गई। सप्ताह के मध्य और अंत में मजबूत रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मॉनसून की धीमी चाल एक चिंता का विषय बनी रही, जिसने निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींचे रखीं। सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार शेयर बाजार के लिए एक जोरदार वापसी लेकर आया। सेंसेक्स 423 अंकों की बढ़त के साथ 77,226 पर खुला और दिन के दौरान 77,325 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया। अंत में, सेंसेक्स 291 अंक और निफ्टी 89 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों को शुक्रवार की गिरावट के बाद बड़ी राहत मिली। हालांकि, यह उत्साह मंगलवार को फीका पड़ गया, जब भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में फिसला और अंततः सेंसेक्स लगभग 900 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया। सप्ताह के मध्य में, भारतीय बाजार ने प्रभावशाली वापसी की। बुधवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले और दिन के कारोबार में सेंसेक्स 900 से अधिक अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 24,050 का अहम स्तर पार कर लिया। फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस बुलिश रैली में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला। गुरुवार को भी यह तेजी बरकरार रही, कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट को और मजबूत किया। सेंसेक्स 109 अंक चढ़कर और निफ्टी 24,050 के पार बंद हुए। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजार की लचीली प्रकृति को दर्शाता है, लेकिन धीमी मॉनसून की चाल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

ओपन एआई ने भारत के लिए उबर के पूर्व प्रमुख प्रभजीत को एमडी नियुक्त किया

नई दिल्ली। एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में अग्रणी ओपन एआई ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने उबर इंडिया और दक्षिण एशिया के पूर्व अध्यक्ष प्रभजीत सिंह को भारत का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति देश में जनरेटिव एआई की बढ़ती मांग और ओपन एआई की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भारत में एआई इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्रभजीत सिंह सितंबर से भारत के एमडी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एमडी किरण मणि को रिपोर्ट करेंगे। भारत में ओपनएआइ के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, वे उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, एंटरप्राइज अपनाने, रणनीतिक साझेदारियों, नियामक मामलों और संचालन की देखरेख करेंगे। सिंह उबर के साथ लगभग 11 वर्षों तक जुड़े रहे, जहां उन्होंने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में कंपनी के मोबिलिटी कारोबार का नेतृत्व किया। आईआईटी खड़गपुर और आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित सिंह का तकनीक, रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एआई बाजारों में से एक मानते हुए ओपनएआई इस नियुक्ति के जरिए देश में अपनी पैठ बढ़ाने और नवाचार को गति देने का लक्ष्य बना रही है।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सुरक्षित, सरकार ने अफवाहों पर दी सफाई

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे भ्रामक और निराधार दावों पर कड़ी आपत्ति जताई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक रूप से मान्य है और इन दावों का उद्देश्य जनता को भ्रमित करना प्रतीत होता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को वैज्ञानिक आधार पर लागू किया गया है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि 2003 में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह कार्यक्रम, तकनीकी तैयारियों और हितधारकों के परामर्श से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। 2023 से 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के कार्यान्वयन के बाद से, इंजन की खराबी या वाहन के टूटने की कोई व्यापक समस्या सामने नहीं आई है। मंत्रालय ने विशिष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि ईंधन टैंक में पानी का प्रवेश किसी भी ईंधन के लिए अवांछनीय है और आधुनिक वाहनों में इसे रोकने के लिए डिजाइन संबंधी सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो भ्रामक हैं, क्योंकि ईंधन में उपयोग होने वाला एथेनॉल औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा तैयार होता है और सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चींटियों वाले वायरल वीडियो पर भी सफाई देते हुए कहा कि ईंधन-ग्रेड एथेनॉल में कोई चीनी नहीं होती और इसमें कीट-विकर्षक डिनेचुरेंट्स होते हैं, इसलिए चींटियों के आकर्षण का दावा वैज्ञानिक रूप से निराधार है। इसी प्रकार, वाहन बीमा की वैधता प्रभावित होने के दावों को भी निराधार पाया गया है। मंत्रालय ने दोहराया कि एथेनॉल मिश्रण एक विश्व स्तर पर स्वीकृत प्रक्रिया है और इसे अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे कई देशों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपका मन एक चौराहे पर खड़ा दिखाई दे सकता है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर दुविधा बनी रह सकती है, इसलिए जल्दबाजी में उठाया गया कदम बाद में परेशानी का कारण बन सकता है। आपकी स्वच्छंद प्रवृत्ति आज आपको आकर्षित तो करेगी, लेकिन संयम ही सफलता की असली कुंजी रहेगा। लंबे समय से धन की कमी के कारण रुका हुआ कोई कार्य अचानक गति पकड़ सकता है।

वृषभ- आज का दिन मुस्कुराहटों और अपनों के साथ बिताए खूबसूरत पलों का संदेश लेकर आया है। परिवार के साथ बैठकर पुरानी समस्याओं का हल निकालने का अवसर मिलेगा और घर का माहौल पहले से अधिक सुखद महसूस होगा। भविष्य की योजनाओं को लेकर किसी करीबी व्यक्ति से सार्थक चर्चा हो सकती है। यदि किसी साझेदारी की शुरुआत करने का विचार है, तो हर पहलू को अच्छी तरह परख लेना समझदारी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपको सावधानी और संतुलन का संदेश दे रहा है। वाहन चलाते समय विशेष सतर्कता बरतें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही अतिरिक्त खर्च का कारण बन सकती है। परिवार या मित्रों के साथ कहीं घूमने-फिरने की योजना दिन को आनंदमय बना सकती है। विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगिता या खेल गतिविधि में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मन अपनी पसंद की चीजों पर खर्च करने के लिए प्रेरित करेगा, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना भी आवश्यक रहेगा।

कर्क- आज पिताजी के साथ किसी विषय पर विचारों का मतभेद हो सकता है, लेकिन उनकी सलाह आपके लिए भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। घर में किसी नए कार्य या बदलाव की योजना बन सकती है, जिसके लिए आर्थिक व्यवस्था पर भी विचार होगा। स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें, क्योंकि छोटी समस्या भी बड़ा रूप ले सकती है।

सिंह- आज आपका मन आध्यात्मिक ऊर्जा से भर सकता है। पूजा-पाठ, धार्मिक कार्य या किसी पवित्र आयोजन में शामिल होकर आपको भीतर से शांति और संतोष का अनुभव होगा। परिवार के किसी सदस्य की बात दिल को छू सकती है, लेकिन प्रतिक्रिया देने से पहले धैर्य रखना आवश्यक होगा। व्यापार में कुछ चुनौतियां चिंता बढ़ा सकती हैं, फिर भी आज आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी।

कन्या- विद्यार्थियों के लिए आज का दिन नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। सीखने, प्रशिक्षण लेने या किसी नई जगह अनुभव प्राप्त करने का मौका मिल सकता है। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके लिए सफलता का आधार बनेगी। जीवनसाथी को करियर में कोई शुभ समाचार मिल सकता है, जिससे पूरे परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। निवेश के क्षेत्र में समझदारी से उठाया गया कदम भविष्य को मजबूत बना सकता है।

तुला- आज कुछ खास लोगों से मुलाकात आपके भविष्य की दिशा बदल सकती है। यात्रा के योग भी बन रहे हैं और यह यात्रा लाभदायक साबित हो सकती है। विदेश से जुड़े व्यापार या कार्यों में सकारात्मक समाचार मिलने की संभावना है। आज हर काम को योजनाबद्ध तरीके से करने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है। किसी बड़े निर्णय में आपकी समझदारी ही आपको सही दिशा दिखाएगी। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और नए विचार आपके मन में जन्म लेंगे। भागदौड़ अधिक रहने से थकान महसूस हो सकती है। संतान के किसी निर्णय से मन थोड़ा खिन्न हो सकता है, लेकिन धैर्य और संवाद से स्थिति सुधर जाएगी। सरकारी कार्यों में लंबे समय से चली आ रही रुकावट दूर होने के संकेत हैं।

धनु- आज का दिन आपको अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी राह में बाधाएं खड़ी करने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। किसी भी अनजान व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करने से बचें। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर मन को थोड़ा उदास कर सकती है। हालांकि घर में धार्मिक या मांगलिक आयोजन की योजना बनने से वातावरण सकारात्मक और आनंदमय बना रहेगा।

मकर- आज आपकी मेहनत और समर्पण आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज आपके दिन को खास बना सकता है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगा और भविष्य में इसका लाभ भी मिल सकता है।

कुंभ- आज खर्चों की रफ्तार आपकी अपेक्षा से थोड़ी तेज रह सकती है, इसलिए बजट पर विशेष ध्यान देना होगा। नया घर या संपत्ति खरीदने का विचार मन में चल सकता है, लेकिन कोई भी फैसला अपनी आर्थिक स्थिति को देखकर ही लें। परिवार की समस्याओं को बातचीत और समझदारी से सुलझाने का प्रयास सफल रहेगा।

मीन- आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से किया गया काम गलती का कारण बन सकता है। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें, क्योंकि आपकी कोई बात वरिष्ठ अधिकारियों को पसंद न आए। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और कहीं घूमने-फिरने की योजना भी बन सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों को मनचाहा लाभ मिलने की संभावना है।

शब्दजाल - 8303

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट	रा	र	ष	हा	मि	री	वि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	ड़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	बे	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	वें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'हट' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

छटपटाहट, जगमगाहट, चिकनाहट, झिलझिलाहट, चहचहाहट, चरमराहट, चिड़चिड़ाहट, तड़पाहट, बौखलाहट, बुलाहट

शब्दजाल - 8302 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7247

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचले नचले' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज मेरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कहीं थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्हीं रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं रहूं दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7246

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8771

बाएँ से दाएँ

1. सिंह,शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा,थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना,तड़कना-4
17. शराब,मदिरा-2
19. बुद्धि,मति-3
21. सेवा,,चाकरी,देखभाल-5
23. कर्म,भाग्य-3
24. यज्ञ,होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा,माहौल-3
4. आर्द्रता,नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर,फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति,60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा,खुमार-2
13. नरम,मुलायम-3
14. एक जैसा,समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ,बेसहारा-3
19. खालिस,शुद्ध-3
20. फालिज,पक्षाघात-3
22. क्रोध,खीज,गुस्सा-2

शब्द पहेली -8770 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 179 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 03.07 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 01.09 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुभ 13.30 बजे को समाप्त।
करण गर 13.56 बजे तदनन्तर वणिज 03.07 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872754
जूलियन दिन 2461219.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 12

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.42 बजे से
सिंह	08.58 बजे से
कन्या	11.10 बजे से
तुला	13.20 बजे से
वृश्चिक	15.35 ब.से
धनु	17.51 बजे से
मकर	19.56 बजे से
कुंभ	21.43 बजे से
मीन	23.15 बजे से
मेष	00.46 बजे से
वृष	02.26 बजे से
मिथुन	04.24 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लक्ष्य की तलाश

बहुत पुरानी कथा है। एक राजा अपने राजसी दायित्वों से ऊब गए थे। वह जो भी करते, बेमन से करते। वह चाहते थे कि किसी तरह राजपाट त्याग दें और ईश्वर का साक्षात्कार करें। एक दिन उन्होंने राजसिंहासन अपने उत्तराधिकारी को सौंपा और राजमहल छोड़कर जंगल की ओर चल पड़े। उन्होंने रास्ते में कई विद्वानों के साथ सत्संग किया, कुछ दिनों तक तपस्या की किंतु उनके भीतर अतृप्ति बनी रही। मन में खिन्नता का भाव लिए वह तीर्थयात्रा पर निकल पड़े। एक दिन चलते-चलते वह काफी थक गए और भूख के कारण निढाल से होने लगे। वह पगडंडी से उतर एक खेत में रुके और एक पेड़ के नीचे बैठ सुस्ताने लगे। उन्हें देख एक किसान उनके पास जा पहुंचा। वह उनका चेहरा देखकर ही समझ गया वह थके होने के साथ भूखे भी हैं। किसान ने हांडी में उबालने के लिए चावल डाले। चावल की हांडी को आग पर चढ़ाकर उसने राजा से कहा, 'उठो, यह चावल पकाओ, जब चावल पक जाएं तब मुझे आवाज दे देना। हम दोनों इससे पेट भर लेंगे।' राजा मंत्रमुग्ध होकर किसान की बात सुनते रहे। किसान के वहां से जाने के बाद उन्होंने चावल पकाने शुरू कर दिए। जब चावल पक गए, तो उन्होंने किसान को बुलाया और दोनों ने भरपेट चावल खाए। भोजन करने के बाद किसान काम में लग गया और राजा को ठंडी छांव में गहरी नींद आ गई। उन्होंने स्वप्न में देखा कि एक दिव्य पुरुष खड़ा होकर कह रहा है, 'मैं कर्म हूं और मेरा आश्रय पाए बगैर किसी को शांति नहीं मिलती। राजन, तुम भी पुरुषार्थ करो और अपना लक्ष्य प्राप्त करो।' नींद खुलने पर राजा ने सपने पर विचार किया तब उन्हें कर्म में प्रवृत्त होने की प्रेरणा मिली। वह वापस अपने राज्य लौट गए। उन्होंने जनकल्याण को अपना लक्ष्य बना लिया और उसी में रम गए। इससे उन्हें आत्मिक शांति मिली। उन्हें लगा कि यही वह लक्ष्य था जिसे वह अब तक ढूंढ रहे थे।

सूडोकु नववाल- 7556

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नववाल -7555 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	6	2	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	2	6	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी नगर परिषद की सफाई व्यवस्था की खुली पोल!

पहली ही मूसलाधार बारिश में घरों घुसा गंदा पानी

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर परिषद लांजी की लापरवाही ने एक बार फिर अपनी असली सूरत दिखा दी। पूरी गर्मी बीत जाने के बावजूद नालियों की सफाई न करने के कारण शनिवार को दोपहर लगभग 1:30 बजे हुई मात्र 15 मिनट की तेज बारिश ने पूरे इलाके में तबाही मचा दी। नालियाँ चोक हो गईं और गंदा पानी घरों में घुस गया। लम्बे समय से सूखे मौसम में नालियों में प्लास्टिक की थैलियाँ, कचरा और पन्नी जमा होते रहे। बारिश पूर्व सफाई न होने के कारण पानी का निकास रुक गया। परिणामस्वरूप बालाघाट रोड स्थित जैन मंदिर के समीप निचले इलाके में रहने वाले परिवारों के घरों में नाली का गंदा पानी भर गया। प्रभावित परिवारों में नरेन्द्र सातपुते, गजेन्द्र मेश्राम, विजय मोहारे सहित कई अन्य घर शामिल हैं। बारिश शुरू होते ही लोगों को अपने सामान को आनन-फानन में ऊपर उठाना पड़ा। मात्र 15 मिनट की बारिश ने पूरे इलाके को जल-भराव की चपेट में ले लिया। वार्डवासियों ने गुस्से में कहा, *अगर नगर परिषद ने समय रहते नालियों की सफाई कर दी होती तो आज यह दिन नहीं देखना पड़ता। पूरी गर्मी पड़ी रही, एक बार भी सफाई नहीं हुई। अब बारिश शुरू होते ही हमारी परेशानी शुरू हो गई।

अभी भी स्थिति खतरनाक

बालाघाट रोड की दोनों ओर की नालियों में अभी भी भारी मात्रा में कचरा फंसा हुआ है। अगली बारिश में स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने नगर परिषद से तत्काल सफाई अभियान चलाने और नालियों को पूरी तरह साफ करने की मांग की है। नगर परिषद लांजी की इस लापरवाही पर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। सवाल उठ रहा है कि टैक्स वसूलने में तो नगर परिषद सक्रिय रहती है, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं के लिए क्यों आँखें मूंद लेती है?

बाजार रोड़ पर जलभराव, नागरिकों की परेशानी बढ़ी

लांजी बाजार रोड़ पर बारिश का पानी जमा हो जाने से स्थानीय निवासियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। काम्प्लेक्स के सामने नाली न बनाए जाने और सड़क के दोनों ओर के हिस्सों के ऊंचे हो जाने के कारण पानी निकासी नहीं हो पा रही है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी भर जाने से पैदल चलने वाले राहगीरों को काफी दिक्कत होती है। साथ ही वाहनों के गुजरने से पानी के छींटे पैदल यात्रियों पर पड़ते हैं, जिससे उनके कपड़े खराब हो जाते हैं और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होती है। इस समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद लांजी से मांग की है कि बाजार रोड़ के दोनों ओर नालियां बनाई जाएं और सड़क को उचित ऊंचाई पर उठाकर पुनर्निर्माण किया जाए, ताकि भविष्य में जलजमाव की समस्या न रहे।

कोचेवाही में सुपर सीडर से डीएसआर बोनी, आधुनिक तकनीक अपनाने को लेकर किसानों में बढ़ा उत्साह

पद्मेश न्यूज। लांजी । लांजी विकासखंड के टेमनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोचेवाही में किसानों ने आधुनिक कृषि यंत्र सुपर सीडर के माध्यम से डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से धान की बोनी कर आधुनिक खेती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इस तकनीक को अपनाने से क्षेत्र के किसानों में उत्साह का माहौल है और अन्य किसान भी इससे प्रेरित हो रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सुपर सीडर तकनीक से बिना अधिक जुताई के सीधे बुवाई की जा सकती है। इससे समय, श्रम और उत्पादन लागत में कमी आती है, वहीं एक ही प्रक्रिया में बीज एवं उर्वरक का उपयोग होने से कार्य अधिक तेज और प्रभावी बनता है। खेत में मौजूद फसल अवशेष मिट्टी में मिल जाने से भूमि की उर्वरता एवं जैविक कार्बन भी बढ़ता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। ग्राम कोचेवाही की कृषक श्रीमती अदिति घोरमारे एवं श्री सुखराम भागड़कर ने बताया कि पारंपरिक पद्धति की अपेक्षा सुपर सीडर से बोनी करना अधिक सुविधाजनक और किफायती है। किसानों को उम्मीद है कि इस तकनीक से फसल की बेहतर वृद्धि होगी तथा उत्पादन में भी वृद्धि देखने को मिलेगी। इस अवसर पर ग्राम कोचेवाही निवासी एवं कृषि विभाग किरनापुर में पदस्थ कृषि अधिकारी श्री गांधी घोरमारे ने किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बदलते कृषि परिदृश्य में नई तकनीकों को अपनाना समय की आवश्यकता है। इससे खेती अधिक लाभकारी बनने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी संभव है। ग्राम कोचेवाही में सुपर सीडर से डीएसआर पद्धति के तहत श्रीमती अदिति (पिता नंदराम वाकड़े) ने 0.600 हेक्टेयर, श्रीमती सुशीला (पिता नान्हू) ने 0.182 हेक्टेयर तथा श्री कुंवरलाल (पिता देऊजी) ने 0.121 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बोनी की है। ग्रामीण क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों के बढ़ते उपयोग को कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। कृषि विभाग को उम्मीद है कि आने वाले समय में अधिक से अधिक किसान सुपर सीडर एवं डीएसआर जैसी उन्नत तकनीकों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करेंगे।

मत्स्याखेट प्रतिबंध की खुलेआम उड़ रही धज्जियां, प्रजनन काल में हो रहा अवैध शिकार

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के सभी साप्ताहिक एवं दैनिक गुजरी बाजारों में प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले से मछलियों का क्रय विक्रय देखा जा सकता है। बताते कि प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 15 जून से 15 अगस्त तक नदियों, तालाबों, जलाशयों एवं अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लागू रहता है। इस अवधि को मछलियों का प्रजनन काल माना जाता है, जब अधिकांश प्रजातियां अंडे देती हैं और नई पीढ़ी का विकास होता है। इसके बावजूद क्षेत्र के कई नदी-तालाबों में प्रतिबंध के दौरान भी अवैध रूप से मछली पकड़ने और बाजारों में खुलेआम बिक्री का सिलसिला जारी है। इस समय मछलियां अंडों के साथ होती हैं। ऐसे में उनका शिकार करने से बड़ी संख्या में अंडे और नवजात मछलियां नष्ट हो जाती हैं, जिससे मत्स्य संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि लगातार इसी प्रकार प्रजनन काल में अवैध मत्स्याखेट होता रहा तो आने वाले वर्षों में नदियों और तालाबों में मछलियों की संख्या में भारी कमी आ सकती है। कई स्थानों पर रात के समय जाल डालकर मछलियां पकड़ी जाती हैं और सुबह इन्हें स्थानीय बाजारों में बेच दिया जाता है। प्रतिबंध के बावजूद इस तरह की गतिविधियां संबंधित विभाग की निगरानी और कार्रवाई पर भी सवाल खड़े करती हैं। मत्स्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रजनन काल में लगाया गया प्रतिबंध केवल कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि जलीय जैव विविधता और मत्स्य संपदा के संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि इस अवधि में मछलियों को सुरक्षित प्रजनन का अवसर मिले तो आने वाले समय में मत्स्य उत्पादन बढ़ता है, जिससे मछुआरों और आम लोगों दोनों को लाभ होता है।

नियमों का उल्लंघन दंडनीय अपराध

मत्स्य विभाग के प्रावधानों के अनुसार प्रतिबंध अवधि में नदी, तालाब अथवा अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों से मछली पकड़ना, उसका परिवहन या बिक्री करना नियमों का उल्लंघन है। दोषी पाए जाने पर संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई, जुर्माना तथा अन्य दंडात्मक प्रावधान लागू किए जा सकते हैं।

मत्स्य विभाग से कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही की मांग

पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने मांग की है कि प्रतिबंध अवधि में नियमित निरीक्षण कर अवैध मत्स्याखेट पर प्रभावी रोक लगाई जाए। साथ ही बाजारों में बिक रही मछलियों की भी जांच हो, ताकि प्राकृतिक जल स्रोतों से अवैध रूप से पकड़ी गई मछलियों की बिक्री पर अंकुश लगाया जा सके। यदि मत्स्य संपदा को बचाना है तो कानून का सख्ती से पालन कराने के साथ-साथ लोगों में भी जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। प्रजनन काल में मछलियों का संरक्षण करना केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी साझा जिम्मेदारी है।

प्राकृतिक खेती की मिसाल बने बिंझलगांव के कृषक अनिल बुधाना

पांच वर्षों से किसानों को कर रहे प्रेरित

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में बालाघाट जिले के विकासखंड लांजी के ग्राम बिंझलगांव के प्रगतिशील कृषक अनिल बुधाना आज क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। पिछले पांच वर्षों से वे स्वयं प्राकृतिक खेती अपनाने के साथ-साथ आसपास के गांवों के किसानों को भी रासायनिक खेती से हटकर प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। अनिल बुधाना ने अपने घर पर ही वर्मी कम्पोस्ट यूनिट, जीवामृत यूनिट, घनजीवामृत यूनिट तथा जैविक कीटनाशक निर्माण इकाई स्थापित की है। इनसे तैयार होने वाले जैविक उत्पादों का उपयोग वे अपनी खेती में करते हैं, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ खेती की लागत भी कम हुई है। यही नहीं, वे अन्य किसानों को भी उचित मूल्य पर ये जैविक उत्पाद उपलब्ध कराते हैं, ताकि अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ सकें। प्राकृतिक खेती के प्रचार-प्रसार को उन्होंने एक अभियान का रूप दे दिया है। वे किसानों के घर जाकर वर्मी कम्पोस्ट यूनिट स्थापित करने में सहयोग करते हैं, केंचुओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हैं तथा खाद तैयार होने तक नियमित रूप से तकनीकी मार्गदर्शन भी देते हैं। उनके प्रयासों से अनेक किसान अब स्वयं जैविक खाद तैयार कर प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। अनिल बुधाना समय-समय पर कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के विकासखंड तकनीकी प्रबंधक अजय बिजेवार से तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं। नवीन तकनीकों को सीखकर वे उन्हें किसानों तक सरल भाषा में पहुंचाते हैं, जिससे प्राकृतिक खेती को गांव-गांव तक विस्तार मिल रहा है। अनिल बुधाना का मानना है कि प्राकृतिक खेती केवल खेती की पद्धति नहीं, बल्कि मिट्टी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा का प्रभावी माध्यम है। उनका कहना है कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर किसान कम लागत में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। आज बिंझलगांव सहित पूरे लांजी विकासखंड में अनिल बुधाना की पहचान प्राकृतिक खेती के अग्रदूत के रूप में बन चुकी है। उनके समर्पण और निरंतर प्रयासों से अनेक किसान प्राकृतिक खेती अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उनकी पहल जिले में प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी खुदीराम सनोडिया व कृषि विस्तार अधिकारी कु. इंदु उइके को स्थानांतरण पर दी बिदाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। कृषि विभाग लांजी में पदस्थ अनुविभागीय कृषि अधिकारी खुदीराम सनोडिया का स्थानांतरण कार्यालय सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी, जिला छिंदवाड़ा तथा कृषि विस्तार अधिकारी कु. इंदु उइके का स्थानांतरण कार्यालय वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, विकासखंड नैनपुर, जिला मंडला में होने पर शुक्रवार, 27 जून 2026 को कार्यालय अनुविभागीय कृषि, लांजी के सभा गृह में विदाई समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों अधिकारियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि एसडीओ खुदीराम सनोडिया ने लांजी में लगभग 10 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। उनके कार्यकाल में कृषि विभाग ने किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से नए आयाम स्थापित किए। उनकी कार्यशैली, सरल व्यवहार और किसानों के प्रति समर्पण को सभी ने सराहा। कृषि विस्तार अधिकारी कु. इंदु उइके के कार्यों की भी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशंसा करते हुए उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में दोनों अधिकारियों ने लांजी में मिले सहयोग और स्नेह के लिए समस्त कृषि विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। कृषि विभाग परिवार ने उनके सफल, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी।

बापड़ी ग्राम पंचायत में सामुदायिक भवन के सामने लगा ट्रांसफार्मर हटाने की मांग

सरपंच खेमराज मछिरके ने जिला कलेक्टर को की शिकायत

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत बापड़ी में शासकीय सामुदायिक भवन के ठीक सामने विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए ट्रांसफार्मर ने पूरे गांव को आक्रोशित कर दिया है। सरपंच खेमराज मछिरके ने इस पक्षपातपूर्ण कार्य की कड़ी निंदा करते हुए जिला कलेक्टर बालाघाट को पत्र लिखकर तुरंत ट्रांसफार्मर हटाने की मांग की है। सरपंच खेमराज मछिरके ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि करंजा विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता विश्वजीत शर्मा ने गांववालों की साफ मना करने के बावजूद शासकीय सामुदायिक भवन के एकदम सामने स्थायी ट्रांसफार्मर लगा दिया। सरपंच का कहना है कि यह कार्य पूरी तरह पक्षपातपूर्ण और अनुचित है। सरपंच खेमराज मछिरके ने अपने शिकायत पत्र में बताया कि सामुदायिक भवन अब गांव हित के किसी भी कार्यक्रम, विवाह, सामाजिक आयोजन या बैठक के लिए पूरी तरह अनुपयोगी हो गया है।भवन के दोनों ओर पर्याप्त शासकीय खाली भूमि उपलब्ध होने के बावजूद ट्रांसफार्मर को जानबूझकर भवन के सामने लगाया गया।आसपास दूर-दूर तक कोई निजी मकान नहीं है, फिर भी ट्रांसफार्मर को भवन के सामने ही चुना गया। ग्रामीणों के विरोध को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। सरपंच ने जिला कलेक्टर से आग्रह किया है कि मामले की तुरंत जांच कर ट्रांसफार्मर को सामुदायिक भवन के सामने से हटवाया जाए और उसे भवन के बाजू वाली शासकीय भूमि पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि गांववासियों को उनका सामुदायिक भवन वापस मिल सके।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने लगाश आरोप, कहा-

हर पेपर लीक के पीछे भाजपाई क्यों

भोपाल। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार जब से आई है तब से 10 सालों में 85 पेपर की हो चूके हैं। 2 करोड़ से ज्यादा बच्चे इससे प्रभावित हुए हैं। बीजेपी सरकार में कई भर्ती घोटाले हुए। हर भाजपाई पेपर लीक माफिया नहीं होता, लेकिन हर पेपर लीक के पीछे भाजपाई क्यों होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने केवल पेपर लीक या भर्ती घोटाले के जो आरोपियों को बरी करने का काम किया है। व्यापमं घोटाले में कई गिरफ्तारियां हुई। कोर्ट में केस चला फिर भाजपा की सरकार में सभी बरी हो गए।

पटवारी ने कहा कि शिवराज के कार्यकाल में व्यापम घोटाला हुआ। उसके बाद मोहन सरकार ने घोटाले के आरोपियों को संरक्षण देने का काम किया। आगामी 14-15 जुलाई को कांग्रेस त्रद्दठु-' साइक्लोथॉन का आयोजन करने जा रही है।

प्रदेश में 62 से ज्यादा युवा बेरोजगार

उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़े कहते हैं कि आज मध्यप्रदेश में 62 लाख से ज्यादा युवा बेरोजगार हैं। ये सरकार केवल आंकड़ों में फेर बदल कर रही है। मध्यप्रदेश में 40 प्रतिशत से ज्यादा नौकरियों के पद खाली हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने प्राइवेट इन्वेस्टमेंट के नाम पर अरबों रुपए खर्च किए, लेकिन हाथ कुछ नहीं लगा। सरकार की युवाओं के रोजगार देने में कोई रुचि नहीं है। जयवर्धन सिंह ने कहा कि 2014 तक ज्यादातर सरकारी परीक्षाएं सरकारी संस्थाएं ही कराती थीं। उनका आरोप है कि भाजपा ने 2017 में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाई, जिसके बाद कई पेपर लीक के मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि मौजूदा एनटीए चेयरमैन प्रदीप जोशी के कार्यकाल में दो बार नीट पेपर लीक हुआ। जयवर्धन ने कहा कि प्रदीप जोशी 2006 से 2011 तक एमपीएससी के अध्यक्ष रहे। उस दौरान उन पर प्रोफेसरों की कथित अवैध भर्ती के आरोप लगे थे, जिसके बाद जांच भी हुई। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद भाजपा ने उन्हें पीएससी का चेयरमैन बनाया। भाजपा ने पेपर सेटिंग से लेकर पेपर प्रिंटिंग तक की प्रक्रिया का निजीकरण कर दिया।

एमपी के बिजली उपभोक्ताओं को बडी राहत

नया कनेक्शन लेना हुआ आसान, घर बैठे मिले 6.11 लाख से अधिक कनेक्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं के लिए नया बिजली कनेक्शन लेने की प्रक्रिया को सरल और ऑनलाइन कर दिया है। कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से अब तक पूरे कार्यक्षेत्र में छह लाख 11 हजार से अधिक नए कनेक्शन (दस किलोवाट तक के अस्थायी कनेक्शन सहित) निर्धारित समयावधि में प्रदान किए जा चुके हैं। इनमें से केवल भोपाल शहर और ग्रामीण वृत्त में ही एक लाख 21 हजार 619 कनेक्शन दिए गए हैं। कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि जुलाई 2023 से शुरू हुए इस पोर्टल के जरिए उपभोक्ताओं को अब दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। नया कनेक्शन लेने के लिए आवेदक कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल या उपाय ऐप पर जाकर जरूरी दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं और निर्धारित शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। आवेदन और भुगतान की प्रक्रिया पूरी होते ही बिजली कंपनी तय समय-सीमा के भीतर सर्वे और अन्य औपचारिकताएं पूर्ण कर सीधे उपभोक्ता के परिसर में नया कनेक्शन उपलब्ध करा देती है।

मप्र की गिफ्ट सिटी बनेगी भोपाल की एकाई सिटी

भौरी में 3200 एकड़ में विकसित होगा देश का पहला एजुकेशन-नॉलेज-एआई हब

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल अब देश के सबसे बड़े नॉलेज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब के रूप में विकसित होने की तैयारी में है। प्रदेश सरकार ने राजधानी के भौरी क्षेत्र में करीब 3200 एकड़ में भारत की पहली एकाई सिटी विकसित करने का फैसला किया है। यह परियोजना केवल एक एआई सिटी नहीं होगी, बल्कि एजुकेशन, नॉलेज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक साथ जोडने वाला विश्वस्तरीय इंटीग्रेटेड शहर होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए केंद्र सरकार करीब 10 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी, जबकि राज्य सरकार भूमि और अन्य आधारभूत संसाधन उपलब्ध कराएगी। परियोजना को भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) विकसित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को गुजरात की तर्ज पर मध्यप्रदेश में गिफ्ट सिटी विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद तैयार की गई योजना में स्पष्ट किया गया है कि अलग से गिफ्ट सिटी विकसित नहीं की जाएगी। एकाई सिटी ही मध्यप्रदेश की गिफ्ट सिटी का स्वरूप होगी। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि दोनों परियोजनाओं का उद्देश्य अलग-अलग होगा। गुजरात की गिफ्ट सिटी वित्तीय सेवाओं और फिनटेक गतिविधियों का केंद्र है, जबकि भोपाल की एकाई सिटी शिक्षा, अनुसंधान, एआई, डीप-टेक और इनोवेशन आधारित उद्योगों पर केंद्रित रहेगी। इसके बावजूद यहां विकसित होने वाला इन्फ्रास्ट्रक्चर अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा और मानकों के लिहाज से गिफ्ट सिटी के समकक्ष रहेगा।

एआई, रिसर्च और स्टार्टअप का राष्ट्रीय केंद्र बनेगा भोपाल

एकाई सिटी को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि यहां विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय, रिसर्च संस्थान, एआई लैब, डीप-टेक स्टार्टअप, आईटी कंपनियां, इनोवेशन सेंटर और स्किल डेवलपमेंट संस्थान एक ही परिसर में कार्य कर सकें। इसका उद्देश्य ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां शिक्षा, रिसर्च और उद्योग आपस में जुड़े हों और उच्च कौशल वाले रोजगार पैदा हों। शुरुआत में इस परियोजना को केवल एआई सिटी के रूप में प्रस्तावित किया गया था, लेकिन बाद में इसमें शिक्षा और ज्ञान के आयाम जोड़े गए, ताकि यह केवल टेक्नोलॉजी पार्क न रहकर भविष्य की नॉलेज इकोनॉमी का केंद्र बन सके।

विदेशी विश्वविद्यालयों और वैश्विक कंपनियों की रुचि

परियोजना को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्साह दिखाई दे रहा है। अमेरिका के चार प्रमुख विश्वविद्यालयों ने मध्यप्रदेश में अपने परिसर स्थापित करने में रुचि दिखाई है और इस संबंध में चर्चा जारी है। इसके अलावा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), मास्टर प्लान, आर्किटेक्चरल डिजाइन और इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए आयोजित प्री-बिड बैठक में भारत और विदेश की करीब 80 कंपनियों और कंसल्टेंट्स ने हिस्सा लिया है।

विश्वस्तरीय लाइफस्टाइल भी होगी

एकाई सिटी केवल शैक्षणिक और तकनीकी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगी। यहां छात्रों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप उद्यमियों और प्रोफेशनल्स के लिए आधुनिक आवासीय परिसर, सामाजिक सुविधाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, स्मार्ट ट्रांसपोर्ट, डिजिटल कनेक्टिविटी और हरित सार्वजनिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। पूरी सिटी को एक इंटीग्रेटेड नॉलेज कैंपस की अवधारणा पर तैयार किया जाएगा। एकाई सिटी इसलिए खास है कि मध्यप्रदेश में हाई-टेक निवेश को नया आधार मिलेगा।

निर्मला सप्रे के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट जाएंगे नेता प्रतिपक्ष

बीना विधायक के दलबदल का मामला हाईकोर्ट से हो चुका है खारिज

भोपाल। सागर के बीना से विधायक निर्मला सप्रे के कथित दलबदल मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हाईकोर्ट ने स्पीकर को निर्णय लेने का निर्देश देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार को बचाने के लिए स्पीकर ने दलबदल याचिका पर महीनों से फैसला लंबित रखा है। अब कांग्रेस इस पूरे मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जल्द विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करेगी।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष मामला लंबित है और न्यायालय इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इसके बाद याचिका खारिज कर दी गई। अब कांग्रेस इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। उमंग सिंघार का कहना है कि दलबदल कानून का उद्देश्य राजनीतिक दलों की स्थिरता बनाए रखना है, लेकिन इस मामले में जानबूझकर फैसला टालकर कानून की भावना को कमजोर किया जा रहा है। उनका आरोप है कि विधानसभा अध्यक्ष की निष्क्रियता से भाजपा को राजनीतिक लाभ मिल रहा है।

निर्मला भाजपा के कार्यक्रमों में नजर आई थीं

लोकसभा चुनाव के दौरान बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे सार्वजनिक रूप से भाजपा के कार्यक्रमों में नजर आई थीं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ मंच साझा किया था और भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। इसके बाद कांग्रेस ने इसे दल-बदल मानते हुए उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग उठाई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष दसवीं अनुसूची के तहत याचिका दायर कर कहा कि निर्मला सप्रे ने स्वेच्छा से कांग्रेस की सदस्यता छोड़ने जैसा आचरण किया है। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कांग्रेस ने तर्क दिया कि दलबदल केवल औपचारिक इस्तीफे से नहीं, बल्कि सदस्य के आचरण और राजनीतिक गतिविधियों से भी साबित हो सकता है।

पदोन्नति नियमों पर फिर छिड़ा विवाद

2025 के नियमों से प्रमोशन का कर्मचारी संगठनों ने किया विरोध

भोपाल। मध्यप्रदेश में वर्षों से अटकी पदोन्नति प्रक्रिया फिर विवादों में घिरती नजर आ रही है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 29 जून को एक्स और वाई निर्धारण को लेकर बुलाई गई बैठक का सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के कर्मचारी संगठनों ने विरोध किया है। उनका कहना है कि जब तक पदोन्नति नियमों से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबित है, तब तक सरकार नई पदोन्नति प्रक्रिया शुरू नहीं कर सकती।

मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग ने 25 जून को पत्र जारी कर एक्स और वाई निर्धारण के लिए बैठक बुलाई है। इससे संकेत मिलते हैं कि सरकार मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम-2025 के तहत पदोन्नति देने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई के दौरान पिछले वर्ष हाईकोर्ट ने अंतिम निर्णय आने तक पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे। उसी आदेश के बाद सरकार ने पदोन्नति की प्रक्रिया स्थगित कर दी थी। ऐसे में अब प्रक्रिया आगे बढ़ाना न्यायिक आदेशों की भावना के विपरीत होगा।

सपाक्स ने भी उठाए सवाल

सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संगठन (सपाक्स) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. के.एस. तोमर ने भी सरकार के प्रस्तावित कदम पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि 2025 के पदोन्नति नियमों से सामान्य और पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों को नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी गलत तरीके से हुई पदोन्नतियों को निरस्त नहीं किया गया। यदि अब नए नियमों के आधार पर फिर पदोन्नति की जाती है तो यह न्यायालय में सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन का उल्लंघन माना जाएगा। डॉ. तोमर ने सुझाव दिया कि पदोन्नति में कर्मचारियों को उसी वर्ग में माना जाए, जिस वर्ग में उनकी मूल नियुक्ति हुई थी। उनका दावा है कि इससे अधिकांश विवाद स्वत: समाप्त हो सकते हैं।

कर्मचारी संगठनों की प्रमुख मांगें

कर्मचारी संगठनों की मांग है कि जिन संवर्गों में एससी-एसटी का प्रतिनिधित्व 36 प्रतिशत से अधिक है, वहां नई पदोन्नति तब तक न दी जाए, जब तक यह निर्धारित सीमा से नीचे न आ जाए। आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को अनारक्षित पदों पर पदोन्नति न दी जाए। वर्ष 2016 से लंबित पदोन्नतियों को भूतलक्षी (रेट्रोस्पेक्टिव) प्रभाव से लागू किया जाए, हालांकि उस अवधि का एरियर न दिया जाए।

क्या है एक्स और वाई निर्धारण का विवाद

कर्मचारी संगठनों के अनुसार, 2025 के पदोन्नति नियमों में एक्स और वाई के मान तय करने का स्पष्ट आधार नहीं दिया गया है। यदि एक्स और वाई का मान शून्य (0) रखा जाता है, तो पदोन्नति में आरक्षण लागू नहीं होगा। यदि मान एक (1) रखा जाता है, तो अनुसूचित जाति को 16 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति को 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जैसा पहले के नियमों में था। यदि मान 0 और 1 के बीच रखा जाता है, तो आरक्षण लागू रहेगा, लेकिन निर्धारित प्रतिशत से कम होगा। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि स्पष्ट मानदंड नहीं होने से पूरी प्रक्रिया विवादित हो सकती है और भविष्य में फिर कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

सरकार के सामने चुनौती

एक ओर लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे हजारों कर्मचारी हैं, वहीं दूसरी ओर न्यायालय में लंबित मामला और कर्मचारी संगठनों का विरोध सरकार के लिए चुनौती बन गया है। अब सबकी नजर 29 जून की बैठक और सरकार के अगले कदम पर टिकी है।

10 दिन में हमारे हिंदू भाई रिहा नहीं होते हैं, तो देश-प्रदेश में कत्लेआम होगा

भोपाल। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में मॉब लिंचिंग मामले में 14 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाने वाली मुस्लिम महिला जज तबस्सुम खान को एक युवक ने कत्ल करने की धमकी दी है। युवक वीडियो में कह रहा है कि 10 दिन में हमारे सभी हिंदू भाई रिहा नहीं होते हैं, तो देश-प्रदेश में कत्लेआम होगा।

दूसरे वीडियो में एक महिला भी जज को धमका रही है। वह कह रही है- एक मुस्लिम जिहादी जज बन गई। हमारे 14 हिंदू भाइयों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। तुम्हें इसका दंड भोगना पड़ेगा। वहीं जज को धमकी देने वाला वीडियो वायरल होने के बाद गृह मंत्रालय की साइबर सेल ने आईटी एक्ट के तहत नोटिस भेजा है। साथ ही सिवनी मालवा पुलिस ने दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि नफरत फैलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई होती है, लेकिन मोदी के भारत में नफरत फैलाने वाला खुलेआम घूम रहा है। साइबर सेल कार्रवाई नहीं कर रही है, बल्कि उसे नोटिस भेज रही है। 12 जून को सिवनी मालवा की एडीजे तबस्सुम खान की कोर्ट ने गो-तस्करी से जुड़े मॉब लिंचिंग मामले में 14 आरोपियों को दोषी ठहराया था। उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने सभी आरोपियों को हत्या, हत्या के प्रयास, बलवा और रास्ता रोकने समेत कई धाराओं में दोषी पाया था।

12.5 करोड़ लोगों के चंदे का हिसाब कहां है?

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर की दान राशि में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र की भाजपा पर हमला बोला है। साथ ही उन्होंने मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

दिग्विजय ने कहा कि भारत के इतिहास में आजादी के पहले व आजादी के बाद पहली बार ऐसी हुकूमत आई है, जिसकी हुकूमत में मंदिर की दान राशि में घोटाला हो रहा है। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को निशाने पर लेते हुए कहा चंपत राय से बड़ा बेईमान और भ्रष्ट कोई नहीं है। भगवान राम के मंदिर पर जमकर चंदाखोरी की गई। उन्होंने कहा कि केवल किसी ट्रस्टी के इस्तीफे से मामला खत्म नहीं होता। ट्रस्ट की व्यवस्था की जिम्मेदारी चंपत राय पर है और उन्हें पूरे मामले की जवाबदेही लेनी चाहिए।

12.5 करोड़ लोगों के चंदे का हिसाब नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वर्ष 1992 के बाद राम मंदिर आंदोलन के दौरान करीब साढ़े 12 करोड़ लोगों ने चंदा दिया था, जिसका आज तक पूरा हिसाब जनता के सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे ने जो एक करोड़ रुपये दिए और चांदी की शिलाएं दीं, उनकी रसीद और हिसाब अब तक नहीं मिला।

यह आरएसएस का मॉडल ऑफ गवर्नेंस है

दिग्विजय सिंह ने कहा, यह आरएसएस मॉडल ऑफ गवर्नेंस है। आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में चंदा चोरी करने वालों को बचाने में लगे हुए हैं। ये लोग सनातन का विनाश कर रहे हैं और सनातनियों के साथ धोखा कर रहे हैं।

एसआईटी जांच और एफआईआर पर सवाल

पूर्व सीएम ने बताया कि आप पार्टी के सांसद संजय सिंह ने एसआईटी प्रमुख को 11 बिंदु भेजे और जांच की मांग की थी। एसआईटी की रिपोर्ट के बाद अयोध्या में एफआईआर हुई, लेकिन दोषियों का रिमांड लिए जाने की बजाय उन्हें गिरफ्तार कर सीधे जेल भेज दिया गया। दिग्विजय ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ विस्तृत जांच कर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

वीएचपी के नियंत्रण पर आपत्ति

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद भी उसकी व्यवस्थाएं विश्व हिंदू परिषद के हाथों में हैं। उन्होंने देशभर के अनेक मंदिरों और मठों का उदाहरण दिया, जिनकी व्यवस्थाएं संत-महात्माओं के पास रहती हैं और वहां इस प्रकार के विवाद या घोटाले सामने नहीं आते।

11 माह से नहीं मिला वेतन, भुखमरी की कगार पर परिवार

भोपाल। न्यू भोपाल टेक्सटाइल मिल्स के दैनिक वेतनभोगी सुरक्षा कर्मियों ने 11 माह से लंबित वेतन का भुगतान नहीं होने पर प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई है। कर्मचारियों ने प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर बकाया वेतन का तत्काल भुगतान करने की मांग की है।

सुरक्षा कर्मियों का कहना है कि वे पिछले 20-22 वर्षों से संस्थान के लिए काम कर रहे हैं और वर्ष 2016 से दैनिक वेतनभोगी सुरक्षा कर्मियों के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उनका आरोप है कि कोरोना काल के बाद से वेतन का नियमित भुगतान नहीं हो रहा है और जुलाई 2025 से अब तक वेतन पूरी तरह रुका हुआ है। कर्मचारियों के अनुसार, लगातार वेतन नहीं मिलने से उनके सामने परिवार के भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण दैनिक जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है।

आत्मदाह करने की चेतावनी

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया और किसी कर्मचारी को आत्मदाह जैसा कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। उन्होंने शासन और संबंधित अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

नागरिकों को अब देना होगा फायर सेफ्टी टैक्स

-मध्यप्रदेश में नया अग्नि सुरक्षा कानून तैयार, सचिव समिति से मिली हरी झंडी

भोपाल । प्रदेश में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार नया फायर सेफ्टी एक्ट लागू करने की तैयारी में है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा तैयार मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक-2026 के प्रारूप को मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति से हरी झंडी मिल गई है। अब इसे कैबिनेट की अनुमति लेकर 20 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा।

दिल्ली में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों की बैठक में कहा था कि फायर सेफ्टी एक्ट जल्द से जल्द विधानसभा में प्रस्तुत किया जाए। इसकी बैठक में प्रस्तावित प्रविधानों को लेकर प्रस्तुतीकरण किया गया था।

15 मीटर से ऊंचे भवनों के लिए सर्टिफिकेट अनिवार्य

सूत्रों के अनुसार, 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्कूल, अस्पताल, मॉल, होटल और औद्योगिक इकाइयों के लिए अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र (फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट) अनिवार्य होगा। बिना फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र के किसी भी भवन को अधिभोग प्रमाणपत्र (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) जारी नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही, अब नागरिकों को संपत्तिकर (प्रॉपर्टी टैक्स) के साथ फायर

सेफ्टी टैक्स भी देना होगा। शादी समारोह, धार्मिक आयोजन, राजनीतिक कार्यक्रम और मेलों में लगाए जाने वाले पंडालों के लिए भी नए सुरक्षा मानक तय होंगे। पंडालों में उपयोग किए जाने वाले कपड़े और अन्य सामग्री का अग्निरोधी (फायर रिटार्डेंट) होना अनिवार्य किया जाएगा।

10 मिनट में पहुंचेगी फायर ब्रिगेड

नए कानून के तहत फायर सेफ्टी अधिकारियों की शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के स्पष्ट मानदंड निर्धारित होंगे। सभी भवनों में एग्जिट प्लान और फायर पाइपलाइन का प्रदर्शन अनिवार्य रहेगा। भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित की जाएगी और अग्निशमन सेवाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। नए फायर स्टेशन बनाने के साथ-साथ, दस मिनट के भीतर फायर ब्रिगेड घटनास्थल पर पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी।

भाजपा विधायक ने की थी कड़े कानून की मांग

गौरतलब है कि विधानसभा के बजट सत्र में भाजपा विधायक अभिलाष पांडे ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि जबलपुर जैसे कई शहरों में घनी बस्तियां हैं, जहां आग लगने पर फायर ब्रिगेड की गाडियां पहुंच ही नहीं सकती हैं। इसके लिए एक ठोस व्यवस्था बनाई जानी चाहिए और साथ ही फायर सेफ्टी का कड़ा कानून भी बनाया जाना चाहिए।

ईएसबी की गलती से विशेष शिक्षक भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी

बिना आरसीआई डिप्लोमा वाले अभ्यर्थियों को 8 जुलाई तक प्रमाण पत्र अपलोड करने का मौका, वरना अयोग्य

भोपाल । कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की गलती के कारण विशेष शिक्षक भर्ती परीक्षा में बिना योग्यता के चयनित हुए अभ्यर्थियों की अब जांच होगी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद ईएसबी ने पोर्टल खोलकर अभ्यर्थियों से आरसीआई से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा सर्टिफिकेट अपलोड करने को कहा है। अभ्यर्थियों को 8 जुलाई तक अपना प्रमाण पत्र जमा करना होगा। प्रमाण पत्र अपलोड नहीं करने वाले उम्मीदवारों को मेरिट सूची से बाहर कर अयोग्य घोषित करने की कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल वर्ष 2025 में कर्मचारी चयन मंडल ने विशेष शिक्षकों के 3200 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा में करीब 5000 अभ्यर्थी क्वालिफाई हो गए थे। इसके बाद स्थिति यह बनी कि मध्यप्रदेश में जितने अभ्यर्थियों के पास आरसीआई से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा थे, उससे अधिक उम्मीदवार मेरिट सूची में शामिल हो गए। इस मामले में आयुक्त दिव्यांगजन डॉ. अजय खेमरिया ने मार्च में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों से आरसीआई से मान्यता प्राप्त दो वर्षीय डिप्लोमा होने को लेकर सिर्फ हां/ना का विकल्प पूछा गया था। डिप्लोमा होने पर उम्मीदवारों को 5 बोनस अंक दिए जाने थे। इसी वजह से कई अभ्यर्थियों ने बिना प्रमाण पत्र हां विकल्प भर दिया और बोनस अंकों के आधार पर मेरिट में जगह बना ली। डॉ. खेमरिया के अनुसार इस संबंध में कई शिकायतें मिलने के बाद आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय ने स्कूल शिक्षा विभाग और कर्मचारी चयन मंडल को पत्र लिखा था। कुछ अभ्यर्थियों ने इस मामले को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की थी। हाईकोर्ट ने 14 मई को आदेश जारी कर इस विसंगति को दूर करने के लिए पोर्टल खोलकर जानकारी लेने के निर्देश दिए थे।

सीरीज बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा भारत

दूसरे टी20 में बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बेलफास्ट। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के सामने अब सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती है। रविवार को बेलफास्ट में खेले जाने वाले दूसरे और अंतिम मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम जीत दर्ज कर श्रृंखला बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पहले मैच में आयरलैंड ने 34 रन से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया था। यह किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ उसकी पहली जीत रही। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विश्व चैंपियन भारतीय टीम 148 रन पर सिमट गई और उसके शीर्ष क्रम का प्रदर्शन पूरी तरह निराशाजनक रहा।

श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला कई मायनों में खास था। लगभग 963 दिनों बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और पहली बार इस प्रारूप में भारत की कप्तानी संभाली, लेकिन शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। अब उनकी कोशिश होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले टीम जीत के साथ आत्मविश्वास हासिल करे।

भारतीय बल्लेबाजी पहले मुकाबले में पूरी तरह बिखर गई। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने केवल 19 गेंदों में अर्धशतक लगाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। जैसे ही अभिषेक आउट हुए, भारतीय पारी लड़खड़ा गई। संजू सैमसन केवल चार गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए, जबकि ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। बाद में तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे भी बहुत रनगति के दबाव में टीम को संभाल नहीं सके।

आयरलैंड के युवा तेज गेंदबाजों ने शानदार अनुशासन के साथ गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे जय मुंद्रा ने अपनी पहली ही गेंद पर संजू सैमसन का विकेट लेकर भारतीय खेमे को झटका दिया। वहीं मैट हॉलार्ड ने ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। दूसरे मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाजों के सामने आयरलैंड की तेज गेंदबाजी सबसे बड़ी चुनौती रहने वाली है।

हालांकि गेंदबाजी विभाग में भारत को कुछ सकारात्मक संकेत भी मिले। चोट से वापसी कर रहे हर्षित राणा ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट झटके और प्रभावित किया। अर्शदीप सिंह तथा अक्षर पटेल ने भी अंतिम ओवरों में किफायती गेंदबाजी की। हालांकि वॉशिंगटन सुंदर के एक ओवर में 19 रन और प्रसिद्ध कृष्णा के चार ओवर में 57 रन खर्च करना भारत के लिए महंगा साबित हुआ। कृष्णा का 17वां ओवर, जिसमें 27 रन बने, मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

आयरलैंड की ओर से कप्तान लोर्कन टकर ने 50 रन और गैरथ डेलानी ने 49 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पहले मुकाबले की ऐतिहासिक जीत के बाद आयरलैंड का मनोबल काफी ऊंचा है। दूसरी ओर भारतीय टीम न केवल श्रृंखला बराबर करना चाहेगी, बल्कि इंग्लैंड दौरे से पहले अपनी तैयारियों को भी सही दिशा देना चाहेगी। ऐसे में बेलफास्ट का दूसरा मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ऐसा है भारत और आयरलैंड का स्क्वॉड

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सुर्याश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

आयरलैंड: लोर्कन टकर (कप्तान और विकेटकीपर), रॉस एडेयर, बेन कैलिट्ज़, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, मैथ्यू हंफरेज, गेविन होई, मैथ्यू हॉलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मुंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, रूबेन विल्सन।

प्रसिद्ध कृष्णा के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड

3 साल बाद वापसी भी नहीं बदल सकी किस्मत

नई दिल्ली । लगभग तीन साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के लिए यह वापसी किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वह बेहद महंगे साबित हुए और अपने नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा बैठे, जो अब तक दुनिया का कोई भी गेंदबाज नहीं बना पाया था। प्रसिद्ध कृष्णा ने 26 जून को आयरलैंड के खिलाफ चार ओवर में 57 रन खर्च किए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था, जहां उनके चार ओवर में 68 रन बने थे। इस तरह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने कुल 125 रन लुटा दिए, जो इस प्रारूप में किसी भी गेंदबाज द्वारा लगातार दो मुकाबलों में खर्च किए गए सबसे अधिक रन हैं। बेलफास्ट में कृष्णा की गेंदबाजी शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आई। कप्तान श्रेयस अय्यर ने उन्हें 17वां ओवर सौंपा, लेकिन यह फैसला भारत पर भारी पड़ गया। उस ओवर में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने 27 रन बटोर लिए। यह ओवर अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आयरलैंड के खिलाफ किसी भारतीय गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया है। आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी लेंथ और लाइन पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनकी गेंदों का आयरिश बल्लेबाजों ने जमकर फायदा उठाया और भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बना दिया। मैच की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत पर आयरलैंड की पहली जीत भी रही। अब दूसरे मुकाबले से पहले टीम प्रबंधन की नजरें गेंदबाजी संयोजन पर रहेंगी और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

बेन डकेट के शतक और जैकब बेथेल की दमदार पारी से इंग्लैंड की वापसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे और निर्णायक टेस्ट मुकाबले के दूसरे दिन मेजबान टीम ने शानदार वापसी करते हुए मैच को रोमांचक बना दिया। पहले दिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के दबदबे के बाद ऐसा लग रहा था कि मुकाबला पूरी तरह मेहमान टीम के नियंत्रण में है, लेकिन दूसरे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर मुकाबले का रुख बदल दिया। न्यूजीलैंड की पहली पारी 438 रन पर समाप्त होने के बाद इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट के नुकसान पर 223 रन बना लिए और अब वह पहली पारी के आधार पर 215 रन पीछे है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद शानदार रही। कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे ने पहले विकेट के लिए 317 रन की विशाल साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों को लंबे समय तक सफलता से दूर रखा। टॉम लैथम ने 15 चौकों की मदद से 151 रन बनाए, जबकि डेवोन कॉन्वे ने 22 चौकों और तीन छक्कों की सहायता से 157 रन की बेहतरीन पारी खेली।

भारत ए की मजबूत बढ़त बरकरार, बारिश से खेल बाधित

श्रीलंका ए ने तीसरे दिन तीन विकेट पर 224 रन बनाए

नई दिल्ली। गाले में खेले जा रहे भारत ए और श्रीलंका ए के बीच पहले अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले में तीसरे दिन का खेल बारिश से प्रभावित रहा। खेल रुकने तक श्रीलंका ए ने अपनी पहली पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 224 रन बना लिए थे। हालांकि मेजबान टीम ने अच्छी वापसी की है, लेकिन भारत ए अब भी पहली पारी के आधार पर 228 रन की मजबूत बढ़त बनाए हुए है। चौथे विकेट के लिए एशेन बंडारा और सहान आराचिगे के बीच उपयोगी साझेदारी ने श्रीलंका की पारी को संभाल रखा है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ए ने दो विकेट पर 113 रन बनाए थे। तीसरे दिन भारत को पहली सफलता नुवानिदु फर्नांडो के रूप में मिली। शानदार लय में बल्लेबाजी कर रहे फर्नांडो शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन 84 रन के निजी स्कोर पर यश ठाकुर ने उन्हें आउट कर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके बाद एशेन बंडारा और सहान आराचिगे ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को और नुकसान नहीं होने दिया। खेल रुकने तक बंडारा 57 और आराचिगे 45 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। दोनों बल्लेबाज चौथे

विकेट के लिए 80 से अधिक रन जोड़ चुके हैं।

श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। अंशुल कंबोज ने निरोशन डिकवेला को 10 रन पर आउट कर पहला झटका दिया, जबकि यश ठाकुर ने पवनथा वीरसिंघे को 11 रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। शुरुआती दो विकेट 38 रन पर गिरने के बाद फर्नांडो और बंडारा ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे श्रीलंका मैच में वापसी करता नजर आया। इससे पहले भारत ए ने पहली पारी में छह विकेट पर 452 रन बनाकर पारी घोषित की थी। भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया। साई सुदर्शन ने 132 रन की बेहतरीन शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान ध्रुव जुरेल 141 रन बनाकर नाबाद लौटे। शेख रसीद ने 63 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया और हर्ष दुबे ने 30 रन जोड़कर टीम के स्कोर को मजबूती दी। दूसरे दिन बारिश के कारण काफी समय तक खेल बाधित रहने से भारत को अपेक्षा से पहले अपनी पारी घोषित करनी पड़ी थी।

भारत ए इस अनौपचारिक टेस्ट श्रृंखला में शानदार लय के साथ उतरा है। इससे पहले टीम ने भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला का खिताब जीता था। फाइनल में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने केवल 29 गेंदों में 94 रन की विस्फोटक पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। हालांकि इस टेस्ट श्रृंखला में वैभव टीम का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि वह इस समय आयरलैंड दौरे पर भारतीय सीनियर टीम के साथ मौजूद हैं। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मुकाबला संतुलित स्थिति में दिखाई दे रहा है, लेकिन पहली पारी की बढ़त के कारण भारत ए अब भी मजबूत स्थिति में बना हुआ है। चौथे दिन भारतीय गेंदबाजों की कोशिश श्रीलंका ए की पारी को जल्द समेटकर निर्णायक बढ़त हासिल करने की होगी।

इंडिया ए वर्सेस श्रीलंका ए प्लेइंग इलेवन-

इंडिया ए- साई सुदर्शन, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़, ध्रुव जुरेल (कप्तान) (विकेट कीपर), शेख रशीद, हर्ष दुबे, सारांश जैन, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, औकिब नबी डार

श्रीलंका ए- पवनथा वीरसिंघे, निरोशन डिकवेला (विकेट कीपर), नुवानिदु फर्नांडो, एशेन बंडारा, सहान आराचिगे (कप्तान), रविन्दु फर्नांडो, अंजला बंडारा, कविन्दु पथिरन्ने, दुलाज समुदिता, चमिका गुणसेकरा, दिलुम सुदीरा

आयरलैंड से हार के बाद कप्तानी पर चर्चा तेज, सोशल मीडिया पर सूर्यकुमार यादव की आई याद

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 34 रन से मिली अप्रत्याशित हार के बाद सोशल मीडिया पर क्रिकेट प्रेमियों की प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। विश्व चैंपियन भारतीय टीम को इस हार ने न केवल श्रृंखला की तस्वीर बदल दी, बल्कि नए कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी पर भी चर्चा शुरू हो गई। हालांकि अधिकांश प्रशंसकों ने इस हार का ठीकरा अकेले कप्तान पर नहीं फोड़ा, लेकिन कई संख्या में लोगों ने पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व को याद किया। बेलफास्ट में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम मजबूत बल्लेबाजी क्रम होने के बावजूद 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। यह किसी भी प्रारूप में भारत के खिलाफ आयरलैंड की पहली जीत रही, जिसने क्रिकेट जगत को चौंका दिया।

श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबला कप्तान के रूप में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच था। सूर्यकुमार यादव के बाद उन्हें टीम की कमान सौंपी गई थी और उनसे जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन पहले ही मुकाबले में मिली हार के बाद सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कई लोगों ने लिखा कि छोटी टीमों के खिलाफ भारत की लगातार जीत की आदत बन चुकी थी और ऐसे में यह हार निराशाजनक रही। सोशल मीडिया मंचों पर कई प्रशंसकों ने सूर्यकुमार यादव के

नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उन्हें याद किया। कुछ पोस्ट में लिखा गया कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने छोटे प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कभी हिलाई नहीं दिखाई। वहीं कुछ प्रशंसकों ने भावनात्मक अंदाज में मिस यू कैप्टन सूर्या जैसे संदेश साझा किए। एक उपयोगकर्ता ने लिखा कि सफलता के बाद अक्सर योगदान देने वाले खिलाड़ियों को जल्दी भुला दिया जाता है, जबकि कई अन्य लोगों ने भी सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व की तारीफ करते हुए उन्हें भारतीय टी20 टीम के सफल कप्तानों में गिना।

इस बीच कई खेल विश्लेषकों और क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी सोशल मीडिया पर अपनी राय रखी। उनका मानना है कि किसी भी नए कप्तान को अपनी पहचान बनाने के लिए समय दिया जाना चाहिए, लेकिन यह भी स्वीकार किया गया कि सूर्यकुमार यादव ने अपने कार्यकाल में टीम के लिए ऊंचे मानक स्थापित किए थे। यही कारण है कि उनके बाद कप्तानी संभालने वाले किसी भी खिलाड़ी की तुलना उनसे होना स्वाभाविक है। सूर्यकुमार यादव को जून 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम की नियमित टी20 कप्तानी सौंपी गई थी। उनके नेतृत्व में भारत ने लगातार कई श्रृंखलाओं में सफलता हासिल की और टीम ने आक्रामक क्रिकेट खेलते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अब श्रेयस अय्यर के सामने चुनौती केवल आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला बचाने की ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड दौरे से पहले टीम का आत्मविश्वास लौटाने की भी है। ऐसे में दूसरे टी20 मुकाबले में सभी की नजरें भारतीय टीम के प्रदर्शन और कप्तान अय्यर की रणनीति पर टिकी रहेंगी।

कप्तान श्रेयस अय्यर बोले- अब कोई भी मुकाबला हल्के में नहीं लेंगे

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यह परिणाम निराशाजनक जरूर है, लेकिन इससे टीम को महत्वपूर्ण सीख भी मिली है। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में हार का सामना करने वाले अय्यर ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया।

अय्यर ने माना कि भारतीय गेंदबाजों ने विरोधी बल्लेबाजों को गए मुकाबले में आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.5 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्विंग तथा सीम मूवमेंट का बेहतरीन फायदा उठाकर शुरुआती विकेट भी हासिल किए। हालांकि मध्य ओवरों में टीम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी, जिसका फायदा आयरलैंड के बल्लेबाजों ने उठाया।

अय्यर ने माना कि भारतीय गेंदबाजों ने विरोधी बल्लेबाजों को सीधे मैदान की ओर खुलकर शॉट खेलने का अवसर दिया, जबकि टीम को पहले से पता था कि उस दिशा की बाउंड्री अपेक्षाकृत छोटी है। उन्होंने कहा कि यदि शुरुआती दबाव को अंत तक बनाए रखा जाता तो आयरलैंड का स्कोर लगभग 140 रन के आसपास सीमित किया जा सकता था। इसके बावजूद उन्होंने गेंदबाजों की वापसी की सराहना करते हुए कहा कि अंतिम ओवरों में टीम ने अच्छी गेंदबाजी की और रन गति पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की। भारतीय कप्तान ने युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर शिवम दुबे के प्रदर्शन की विशेष प्रशंसा की।

डेम्बेले की तूफानी हैट्रिक से फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया

नई दिल्ली । अमेरिका के फॉक्सबोरो में खेले गए फीफा विश्व कप के रूप-आई मुकाबले में फ्रांस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्वे को 4-1 से शिकस्त दी। इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले रहे, जिन्होंने पहले हाफ में ही हैट्रिक लगाकर मैच का रुख पूरी तरह फ्रांस के पक्ष में मोड़ दिया। उनकी दमदार पारी की बदौलत फ्रांस ने ग्रुप चरण का समापन शीर्ष स्थान पर किया और नॉकआउट दौर में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रवेश किया। डेम्बेले ने मुकाबले के सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उनके पहले गोल में कप्तान काइलियन एमबाप्पे ने बेहतरीन पास देकर अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के इतिहास में पिछले 32 वर्षों के दौरान पहली बार किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले 1994 विश्व कप में रूस के ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में तीन गोल किए थे। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ डेम्बेले गोल्डन बूट की दौड़ में भी मजबूती से शामिल हो गए हैं, जहां उनका मुकाबला लियोनेल मेसी और टीम के साथी काइलियन एमबाप्पे जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से है। मैच के बाद डेम्बेले ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण टीम की जीत और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा कि अब पूरी टीम का ध्यान अगले मुकाबले पर है और उनका लक्ष्य दूनमिंट में जीत का सिलसिला बनाए रखना है।

फ्रांस और नॉर्वे दोनों पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे, लेकिन इस मुकाबले से ग्रुप विजेता का फैसला होना था। फ्रांस ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और नॉर्वे को संभलने का मौका नहीं दिया। डेम्बेले के दूसरे गोल के तुरंत बाद थैली आसगार्ड ने केवल 14 सेकंड के भीतर गोल कर नॉर्वे की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन डेम्बेले ने कुछ ही मिनट बाद अपना तीसरा गोल कर फ्रांस की दो गोल की बढ़त फिर से बहाल कर दी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में डेविड ओउ ने चौथा गोल दागकर फ्रांस की जीत को और शानदार बना दिया। डेम्बेले ने 65वें मिनट तक मैदान पर रहते हुए चार गोल वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम और मजबूत किया। इसके बाद उनकी जगह ब्रैडली बारकोला को मैदान पर उतारा गया। दूसरी ओर, काइलियन एमबाप्पे इस मुकाबले में गोल नहीं कर सके, हालांकि उन्होंने पिछले दो मैचों में चार गोल कर पहले ही अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया था।

नॉर्वे ने इस मुकाबले में अपनी शुरुआती एकादश के कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया था। स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड समेत दस नियमित खिलाड़ी शुरुआती टीम का हिस्सा नहीं थे, जिसका पूरा फायदा फ्रांस ने उठाया। मैच शुरू होने के महज 21 सेकंड के भीतर ही एमबाप्पे ने गोल करने का बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार से टकराकर बाहर चला गया।

वैभव सूर्यवंशी के समर्थन में उतरे दिलीप वेंगसरकर

बोले- यह युवा खिलाड़ी लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की पहचान बनेगा

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। क्रिकेट प्रशंसकों का एक बड़ा वर्ग मान रहा है कि यदि वैभव को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता तो मुकाबले का परिणाम अलग हो सकता था। इसी बीच भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने भी युवा बल्लेबाज की प्रतिभा पर भरोसा जताते हुए कहा है कि वैभव भविष्य में भारतीय क्रिकेट के लिए लंबे समय तक अहम भूमिका निभा सकते हैं। दिलीप वेंगसरकर का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपनी क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार, युवा बल्लेबाज में बड़े स्तर पर सफल होने की पूरी योग्यता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी खिलाड़ी का वास्तविक आकलन लंबे प्रारूप में प्रदर्शन के आधार पर होता है, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वैभव टेस्ट क्रिकेट में खुद को किस तरह साबित करते हैं।

वेंगसरकर ने आधुनिक क्रिकेट और अपने दौर के खेल में अंतर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके समय में बल्लेबाजों को केवल सीधे बल्ले से ही क्षेत्र में और जमीन पर शॉट खेलने की सीख दी जाती थी, जबकि आज टी20 और अन्य सीमित ओवरों के प्रारूपों ने बल्लेबाजी की शैली पूरी तरह बदल दी है। उनका मानना है कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को अलग तरह की कोचिंग मिल रही है, जिससे वे मैदान के हर हिस्से में आक्रामक शॉट खेलने में सक्षम बन रहे हैं। पूर्व मुख्य चयनकर्ता का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का उनका लंबा अनुभव रहा है। वर्ष 2006 से 2008 के बीच चयन समिति के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में मौका दिया था। इसी दौर में उन्होंने युवा विराट कोहली जैसी प्रतिभाओं का खुलकर समर्थन किया था और भारतीय टीम में नए खिलाड़ियों को अवसर देने की नीति पर जोर दिया था। उधर, वैभव सूर्यवंशी के अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को लेकर भी उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिल सकी, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में टीम प्रबंधन उन्हें अवसर दे सकता है। यदि ऐसा नहीं होता है, तो 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला उनके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने का अगला बड़ा मौका बन सकती है। भारतीय क्रिकेट में नई प्रतिभाओं को लेकर लगातार चर्चा हो रही है और वैभव सूर्यवंशी को भविष्य का बड़ा सितारा माना जा रहा है। ऐसे में दिलीप वेंगसरकर जैसे अनुभवी क्रिकेटर का समर्थन इस युवा बल्लेबाज के लिए न केवल बड़ा विश्वास है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि आने वाले समय में वह भारतीय टीम की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं।

दूसरे टी20 में बदल सकती है भारत की प्लेइंग इलेवन, वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू की बढ़ीं उम्मीदें

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को 34 रन की अप्रत्याशित हार झेलने के बाद भारतीय टीम दूसरे और अंतिम मैच में बदली हुई रणनीति के साथ उतर सकती है। दो मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पिछड़ चुकी टीम इंडिया के लिए अब अगला मुकाबला करो या मरो जैसा हो गया है। कप्तान श्रेयस अय्यर और मुख्य कोच गौतम गंभीर जीत दर्ज कर श्रृंखला बराबर करने के इरादे से प्लेइंग इलेवन में कुछ अहम बदलाव कर सकते हैं। सबसे अधिक चर्चा युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के संभावित अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को लेकर हो रही है। पहले मुकाबले में अधिकेक शर्मा ने 19 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई थी, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बड़ी साझेदारी बनाने में विफल रहे, जिसका खामियाजा टीम को हार के रूप में भुगतना पड़ा। ऐसे में माना जा रहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया जा सकता है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी टीम को शुरुआती ओवरों में बेहतर शुरुआत दिलाने में मददगार साबित हो सकती है। गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव की संभावना है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा पहले मुकाबले में चार ओवर में 57 रन खर्च कर काफी महंगे साबित हुए थे। हाल के टी20 मुकाबलों में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसे में उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना जताई जा रही है। वैभव सूर्यवंशी को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में पहले से ही काफी उत्साह है। यदि उन्हें दूसरे टी20 में डेब्यू का मौका मिलता है तो वह भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे।

बालाघाट और कटंगी में कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण, सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी के निर्देशानुसार जिले में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में 26 जून को तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया ने तहसील बालाघाट अंतर्गत संचालित कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान भोपाल एकेडमी, लक्ष्य एकेडमी एवं संकल्प ऑक्सीजन कोचिंग संस्थान में आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट), अग्निशमन यंत्र (फायर सेफ्टी), सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। तहसीलदार ने संचालकों को सभी सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

इसी कड़ी में 27 जून को अनुविभागीय अधिकारी कटंगी श्री के.सी. ठाकुर के निर्देश पर तहसीलदार श्री शॉडिल्य ने बीआरसी कुशराम के साथ तहसील कटंगी के विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों, आपातकालीन निकास एवं अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जांच की गई तथा सभी संस्थानों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। सभी कोचिंग संस्थानों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

मंगोली खुर्द में रेत के अवैध भंडारण पर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

96 ट्रॉली रेत जब्त की गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनिज के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आज 27 जून को राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने किरनापुर तहसील के ग्राम मंगोली खुर्द में बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से भंडारित रेत का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है।

शासकीय भूमि पर कब्जा कर रखा था रेत का ढेर

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि प्रशासनिक अमले को सूचना मिली थी कि मंगोली खुर्द क्षेत्र में अवैध रेत का भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही राजस्व और खनिज विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से मौके पर छापा मारा। जांच के दौरान ग्राम मंगोली खुर्द के खसरा क्रमांक 113/1/1 की शासकीय भूमि पर भारी मात्रा में रेत का भंडारण पाया गया।

96 ट्रॉली रेत लावारिश हालत में मिली

मौके पर पहुंची टीम को लगभग 96 ट्रॉली रेत लावारिश अवस्था में मिली। जांच के दौरान वहां मौजूद किसी भी व्यक्ति ने रेत के वैध होने संबंधी कोई दस्तावेज या शासन से प्राप्त अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं किया। खनिज के अवैध भंडारण की पुष्टि होने पर प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से उक्त रेत को अपने कब्जे में ले लिया है।

कोटवार की सुपुर्दगी में दी गई सामग्री

वैधानिक अनुमति न पाए जाने पर प्रशासन ने म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत रेत को जब्त कर लिया है। सुरक्षा की दृष्टि से जब्त की गई रेत को स्थानीय ग्राम कोटवार की अभिरक्षा और देखरेख में सौंप दिया गया है।

नियमों के तहत होगी निवर्तन की कार्रवाई

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब्त की गई रेत के संबंध में आगामी निवर्तन की कार्रवाई म.प्र. खनिज नियम 2022 के प्रावधानों के अनुरूप की जाएगी। अवैध खनिज माफियाओं के खिलाफ जिले में जारी इस सख्ती से हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन का कहना है कि भविष्य में भी अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ इस तरह की छापामार कार्रवाई जारी रहेगी।

फॉक्सवैगन में पहली बार होगी छंटनी

नई दिल्ली। जर्मनी की दिग्गज ऑटोमेकर फॉक्सवैगन एक बड़े जॉब कट की ओर बढ़ रही है। ये कंपनी के 89 साल के इतिहास में सबसे बड़ा जॉब कट हो सकता है, जिसमें 1 लाख के करीब लोगों की नौकरियां जाएंगी। कंपनी 1 लाख जॉब कट के साथ चार फैक्टरी को बंद कर सकती है। इसकी वजह यूरोप में कमजोर होती मांग, चीन से मिलता कंपटीशन और अमेरिकी टैरिफ है। फॉक्सवैगन दुनिया की सबसे बड़ी ऑटोमेकर कंपनियों में से एक है। यूरोप में इस कंपनी का दबदबा था, लेकिन चीनी कंपनियों की एंट्री से फॉक्सवैगन को लगातार कंपटीशन मिल रहा है। चीनी कंपनियां कम कीमत में बेहतर टेक्नोलॉजी वाले प्रोडक्ट्स लेकर आ रही हैं। खासकर इलेक्ट्रिक कारों की रेस में चीनी ऑटोमेकर किसी दूसरे देश की कंपनियों से आगे हैं।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया जिला जेल बालाघाट का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालाघाट प्राणेष कुमार प्राण ने 27 जून को जिला जेल बालाघाट का निरीक्षण कर जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उनके निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री प्राणेष कुमार प्राण ने बंदियों को उनके विधिक अधिकारों एवं निःशुल्क विधिक सहायता योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बंदी को न्याय प्राप्त करने का अधिकार है तथा पात्र व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने जेल परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, आवासीय सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सोनी, अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, जेल अधीक्षक रामलाल सहलाम सहित जेल का स्टाफ उपस्थित रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि ऐसे निरीक्षणों का उद्देश्य बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा जेलों में आवश्यक व्यवस्थाओं की सतत समीक्षा करना है।

29 जून को लगेगा विशेष पशु स्वास्थ्य शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पशुपालन विभाग द्वारा संचालित क्षीरधारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पशुपालकों तक विभागीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 27 जून 2026 को विकासखंड बालाघाट के ग्राम गोंगलई में उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. अरुण नेमा ने क्षेत्रीय भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, किसानों एवं पशुपालकों से संवाद कर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी तथा पशुपालन को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

भ्रमण के दौरान डॉ. नेमा ने ग्राम पंचायत में सरपंच, सचिव एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर क्षीरधारा ग्राम योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पात्र पशुपालकों को योजनाओं से जोड़ने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर सक्रिय सहयोग देने के निर्देश दिए। साथ ही विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया।

उन्होंने किसानों एवं पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन, सेक्स सॉर्टेड सीमेन के उपयोग, संतुलित पशु आहार, हरे चारे का उत्पादन, कृत्रिम गर्भाधान, नियमित टीकाकरण, कृमिनाशन, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन एवं स्वच्छ दुग्ध उत्पादन की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पशुपालकों की समस्याओं एवं सुझावों को भी गंभीरता से सुना गया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. नेमा ने विभिन्न पशुपालकों के घरों का भ्रमण कर पशुओं की स्वास्थ्य स्थिति, पोषण, आवास व्यवस्था एवं स्वच्छता का जायजा लिया। इसी क्रम में समुन्नत योजना के अंतर्गत बबलू पटले को प्रदाय किए गए मुर्रा नर सांड का भौतिक सत्यापन किया गया तथा उसके रखरखाव एवं उपयोग की समीक्षा कर आवश्यक सुझाव दिए गए।

उप संचालक डॉ. नेमा ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी हितग्राहियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा योजनाओं की नियमित फील्ड मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

भ्रमण के दौरान पशुपालकों ने ग्राम में पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की मांग रखी, जिस पर उपसंचालक डॉ. नेमा ने 29 जून 2026 को ग्राम गोंगलई में विशेष पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की घोषणा की। उन्होंने पशुपालकों से अधिक से अधिक संख्या में अपने पशुओं के साथ शिविर में उपस्थित होकर उपचार, टीकाकरण, कृमिनाशन एवं तकनीकी परामर्श जैसी सेवाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

इस अवसर पर डॉ. बादल पटले (विकासखंड नोडल अधिकारी), डॉ. पूजा धुर्वे (ग्राम नोडल अधिकारी) एवं श्रीमती छबी गोरमारे (सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी) सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, पशुपालक एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। पशुपालन विभाग ने भविष्य में भी नियमित निरीक्षण, जनजागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से पशुपालकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया।

कोलंबो में भारत-पाक ट्रैक-2 डिप्लोमैसी पर राम माधव की दो टूक- यह बिल्कुल गलत

नई दिल्ली। बीजेपी के वरिष्ठ नेता राम माधव ने उन रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज किया है, जिसमें हाल ही में कोलंबो में हुई बैठक को भारत और पाकिस्तान के बीच ट्रैक-2 डिप्लोमेसी का हिस्सा बताया गया था। बीजेपी नेता माधव ने इन दावों को पूरी तरह से गलत करार देकर स्पष्ट किया कि यह दोनों देशों के बीच कोई गोपनीय बातचीत नहीं थी।

यह विवाद तब सामने आया जब एक रिपोर्ट में दावा हुआ कि कोलंबो में लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) द्वारा आयोजित क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन के दौरान भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडलों ने ट्रैक-2 चर्चा में भाग लिया। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रतिनिधिमंडल में राम माधव के साथ सेना के पूर्व प्रमुख जनरल एमएम नरवणे और पूर्व भारतीय राजनयिक रुचि घनश्याम शामिल थे, जबकि पाकिस्तानी प्रतिनिधियों में पूर्व राजनयिक सज्जाद हैदर खान, पूर्व मंत्री शेरी रहमान और रिटायर्ड मेजर जनरल इसफंदियार अली खान पटौदी का नाम था। इतना ही नहीं दावा किया गया कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एस पॉल कपूर भी कार्यक्रम में मौजूद थे, जिससे इस बैठक की गंभीरता और बढ़ी थी। हालांकि, राम माधव ने पोस्ट का जवाब देकर इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम आईआईएसएस का सालाना दक्षिण एशिया संवाद था, न कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई ट्रैक-2 बैठक। बीजेपी नेता माधव ने कहा, यह पूरी तरह से गलत बात है। यह कोई ट्रैक-2 बातचीत नहीं थी। यह आईआईएसएस का सालाना साउथ एशिया डायलॉग था, जिसमें भारत, श्रीलंका, अमेरिका, ब्रिटेन, अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे कई देशों के विद्वान शामिल हुए थे। उन्होंने जोड़ा कि पहले भी अधिकारी इस वार्षिक बातचीत में शामिल होते रहे हैं और इतने सारे देशों के साथ कोई ट्रैक-2 बातचीत नहीं होती है। माधव ने अपनी व्यक्तिगत भागीदारी को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि वह दो दिन तक चली पूरी कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुए थे। उन्हें केवल एक सत्र को संबोधित करने बुलाया गया था, जिसे पूरा करने के बाद वे तुरंत लौट आए।

पुणे पुलिस के सामने सिया गोयल का चौंकाने वाला कबूलनामा

पुणे। लोहागढ़ फोर्ट मर्डर केस में आरोपी सिया गोयल ने बड़ा खुलासा किया है। सिया गोयल ने हिरासत में पूछताछ के दौरान दावा किया कि अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को मारना, अपने परिवार को यह बताने से आसान था कि वह उससे शादी नहीं करना चाहती। पुणे पुलिस के मुताबिक सिया गोयल ने यह भी दावा किया कि वह केतन अग्रवाल को इसलिए नापसंद करती थी क्योंकि वह विग पहनता था।

जब सिया से पूछा गया कि उसने अपने परिवार को यह क्यों नहीं बताया कि वह शादी तोड़ना चाहती है, तो उसने कथित तौर पर कहा कि वह उन्हें चोट नहीं पहुंचाना चाहती थी। द टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट पुलिस अधिकारी ने कहा कि सिया गोयल ने उन्हें बताया कि उसका मानना था कि केतन अग्रवाल को लोहागढ़ फोर्ट में एक खाई में धकेलना, अपने परिवार का सामना करने और सगाई तोड़ने से ज्यादा आसान था। पुलिस ने कहा कि वे चल रही जांच के हिस्से के तौर पर बयान को वेरिफाई कर रहे हैं। पुलिस ने यह भी दावा किया है कि सिया गोयल ने केतन अग्रवाल को बताया था कि वह उससे शादी नहीं करना चाहती, लेकिन उसने सगाई तोड़ने से इनकार कर दिया। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारी का आरोप है कि फिर उसने अपने प्रेमी और सह-आरोपी चेतन चौधरी के साथ मिलकर उसे मारने की साजिश रची। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने आखिरकार कामयाब होने से पहले कई कोशिशें कीं। 31 मई को सिया गोयल कथित तौर पर केतन अग्रवाल के साथ लोहागढ़ किले गई और विंचू काटा रिज के पास एक सुनसान जगह की पहचान की, जहां क्राइम किया जा सकता था। 4 जून के लिए एक और ट्रिप प्लान किया गया था लेकिन केतन अग्रवाल की मां के एतराज करने के बाद कैंसल कर दिया गया। 14 जून को सिया गोयल ने कथित तौर पर केतन अग्रवाल को एक चट्टान से धक्का देने की कोशिश की, लेकिन वह एक झाड़ी पकड़कर बच गया। पुलिस का दावा है कि उसने उसे यकीन दिलाया कि यह घटना गलती से हुई थी, उसका भरोसा फिर से जीता और चार दिन बाद उसके साथ किले में फिर से गई।

भारत आएंगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और व्यापारिक रिश्ते एक नए सुनहरे दौर में प्रवेश करने जा रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बड़ा एलान करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेंगे। रुबियो ने साफ किया कि वह खुद इस ऐतिहासिक वीवीआईपी दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने और दोनों देशों के बीच बहुप्रतीक्षित ट्रेड डील (व्यापार समझौते) को जल्द से जल्द फाइनल करने के लिए भारत आ रहे हैं।

इस दौरे को लेकर रुबियो ने कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच के करीबी निजी रिश्ते दोनों देशों के मजबूत संबंधों की सबसे बड़ी बुनियाद हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे खुद पीएम मोदी के बड़े प्रशंसक हैं, क्योंकि उनके नेतृत्व में भारत एक ग्लोबल पावर (वैश्विक ताकत) बनकर उभरा है। दोनों देशों के बीच की यह साझेदारी आने वाले समय में असीमित संभावनाओं को छूने वाली है। भारत की तारीफ करते हुए यह भी कहा गया कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिसके पास हैवी क्रूड ऑयल (भारी कच्चे तेल) को रिफाइन करने की क्षमता है। इस समय भारत, अमेरिका और वेनेजुएला आपस में मिलकर क्रूड ऑयल की सप्लाई बढ़ाने पर बहुत करीब से काम कर रहे हैं। साथ ही अमेरिका के वीजा सिस्टम में होने वाले बदलावों को लेकर भी स्थिति साफ की गई कि इन बदलावों का निशाना भारत बिल्कुल नहीं है।

हैदराबाद में ट्रम्प के नाम पर सड़क

ट्रम्प के नाम पर सड़क की घोषणा मंगलवार को हैदराबाद में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित फ्रीडम 250 समारोह में की गई। इस दौरान भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का मौजूद थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास की सड़क का नाम डोनाल्ड ट्रम्प एवेन्यू रखे जाने पर भारत का धन्यवाद किया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, भारत के हैदराबाद में नया डोनाल्ड ट्रम्प एवेन्यू। इस तरह सम्मानित होने वाला मैं पहला अमेरिकी राष्ट्रपति हूं। धन्यवाद!

अमेरिकी राजदूत ने भी दिए अहम संकेत

अमेरिका के भारत में राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका प्राकृतिक साझेदार हैं और दोनों देशों के रिश्तों में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम दौर में है। साथ ही उन्होंने साफ किया कि अमेरिका की नई वीजा व्यवस्था किसी एक देश, खासकर भारत को निशाना बनाकर नहीं बनाई गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मजबूत व्यक्तिगत संबंध दोनों देशों की साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत हैं। उनके मुताबिक दोनों नेता कई अहम वैश्विक मुद्दों पर एक जैसी सोच रखते हैं।

नाजिया इलाही खान को पानीपत कोर्ट का नोटिस- धार्मिक टिप्पणियों पर संज्ञान

पानीपत। सोशल मीडिया हस्ती नाजिया इलाही खान की कानूनी मुश्किलें बढ़ी हैं। पानीपत की एक अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका पर संज्ञान लेकर नोटिस जारी किया है। यह याचिका मुस्लिम समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों और मुस्लिम लीगल एड ट्रस्ट द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप है कि नाजिया ने एक पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर इस्लाम, मुस्लिम महिलाओं, पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब और हजरत आयशा से जुड़े विषयों पर विवादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन टिप्पणियों से मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अदालत ने नाजिया इलाही खान को 27 जुलाई को कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। मुस्लिम लीगल ऐड ट्रस्ट के चेयरमैन और अधिवक्ता मोमिन मलिक ने बताया कि ट्रस्ट मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए काम करता है, और इसी उद्देश्य से यह याचिका दायर की गई है।

कामराज प्लान की तर्ज पर होगा केंद्रीय मंत्रिमंडल का पुनर्गठन!

-कुछ मंत्री संगठन में जाएंगे, नए चेहरों को मिलेगा मंत्रिमंडल में स्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल का पुनर्गठन करने जा रहे हैं। इसमें कई मंत्रियों की छुट्टी होगी। इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। कई नए चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल होंगे। जिस तरह की दिल्ली में चर्चा है, उसके अनुसार इस बार केंद्रीय मंत्रिमंडल में कामराज प्लान की तर्ज पर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी बदले जा सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में ऐसे मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है, जो नए चेहरे होंगे, अपने विषय के विशेषज्ञ होंगे। इसमें कुछ नए प्रशासनिक अधिकारियों को मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी, जो प्रशासनिक अधिकारी से राजनीति में आए वर्तमान मंत्री हैं। उनकी जल्द छुट्टी की जा सकती है।

चीन युद्ध के समय जब भारत, चीन से पराजित हुआ था। उसके बाद कांग्रेस संगठन और जवाहरलाल नेहरू की पहल पर कामराज प्लान लागू किया गया था। उस प्लान के अंतर्गत कई राज्यों के मुख्यमंत्री बदले गए थे। केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी भारी फेरबदल हुआ था। उसी तर्ज पर अब बड़े पैमाने पर राज्यों और केंद्र की सत्ता तथा संगठन में बदलाव करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। मानसून सत्र के पहले कोई बड़ा धमाका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह कर सकते हैं। इसको लेकर दिल्ली और कई राज्यों में भाजपा नेताओं के चेहरे पर चिंता की रेखा देखने को मिलने लगी है।

हिंदुओं के बीच छवि को बेहतर बनाए रखने पर फोकस

राम मंदिर चढ़ावा चोरी का जो नया विवाद सामने आया है। उसमें चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा ले लिया गया है। आठ लोगों को चोरी के आरोप में गिरफ्तार करके जेल भेजा जा चुका है। केंद्र सरकार हिंदुओं के बीच छवि को बेहतर बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर बदलाव करने जा रही है। जिसके कारण दिल्ली की राजनीतिक हलचलें बढ़ी हुई हैं। इस बार के मानसून सत्र के पहले सरकार पूरी आक्रामकता के साथ परिसीमन बिल को साम-दाम, दंड-भेद किसी भी स्थिति में पास करने की जुगत में है। विपक्ष इस समय आक्रामक मुद्रा में है। विपक्ष और कॉकरोच आंदोलन सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। इससे निपटने के लिए योजना बनाई जा रही है। जल्द ही इसके परिणाम सभी को देखने को मिलेंगे। इस समय सबसे ज्यादा चर्चा कामराज प्लान की हो रही है। वर्तमान पीढ़ी को पता ही नहीं है, कामराज प्लान क्या था। 1962 से लेकर 1967 तक भारतीय राजनीति में कांग्रेस संगठन में कामराज प्लान की बड़ी चर्चा होती थी। 60 वर्ष बाद एक बार फिर कामराज प्लान की चर्चा हो रही है।

लाल किला ब्लास्ट केस : एनआईए की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल

-डॉक्टर समेत तीन नए आरोपी, फरार बाल रोग विशेषज्ञ पर साजिश रचने का आरोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले वर्ष दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में तीन और आरोपियों के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। पटियाला हाउस कोर्ट में दायर चार्जशीट में जम्मू-कश्मीर के रहने वाले जमीर अहमद अहंगर, तुफैल अहमद भट और फरार डॉक्टर मुजफ्फर अहमद को आरोपी बनाया गया है। इसके साथ ही मामले में आरोपियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

जांच एजेंसी के अनुसार, मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी विस्फोटकों से भरी कार चला रहा था और धमाके में उसकी मौत हो गई थी। एनआईए ने मुजफ्फर अहमद को इस साजिश के प्रमुख सूत्रधारों में शामिल बताया है। वह पेशे से बाल रोग विशेषज्ञ है और फिलहाल फरार चल रहा है।

एजेंसी के मुताबिक, मुजफ्फर सह-आरोपी डॉ. अदील अहमद राथर का बड़ा भाई है तथा कथित तौर पर अल-कायदा से जुड़े संगठन एजीयूएच (अंसार गजवत-उल-हिंद) अंतरिम का संस्थापक सदस्य रहा है। जांच में सामने आया है कि 10 नवंबर 2025 को हुए वाहन आधारित विस्फोटक हमले की योजना बनाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

एनआईए का कहना है कि मुजफ्फर वर्ष 2022 में श्रीनगर में आयोजित एक गुप्त बैठक में शामिल हुआ था, जहां इस मॉड्यूल की स्थापना की गई थी। जांच में यह भी सामने आया है कि वह फरीदाबाद स्थित एक गुप्त ठिकाने पर टीएटीपी आधारित विस्फोटकों के निर्माण, परीक्षण और भंडारण में शामिल था। एजेंसी ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है। मामले की जांच के दौरान फोरेंसिक परीक्षण, जियो-लोकेशन मैपिंग और वित्तीय लेन-देन की भी गहन जांच की गई है।

न्यूज गैलरी

भाई को मारने आए एक व्यक्ति ने भतीजी से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम देवगांव में भाई को मारपीट करने आए एक व्यक्ति ने अपनी भतीजी को डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई ।बिरसा पुलिस ने इस मामले में जिब्रियस पिता विलियम लकड़ा के विरूद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिल्की लकड़ा 16 वर्ष देवगांव बैगा टोला निवासी घरेलू काम करती है और घर पर ही रहती है। जिसके परिवार में उसके पापा तो दादी रहती है। बताया गया है कि शिल्की लकड़ा के पापा ने अपने भाई जिब्रियस लकड़ा के बेटे एलन को मारपीट के दिया था। दो दिन पहले 26 जून की रात 8:00 बजे जब शिल्की अपने पापा और दादी के साथ खाना खा रहे थे। तभी उसका चाचा जिब्रियस शराब के नशे में आया और अपने भाई को अश्लील गालियां देने लगा और बोलने लगा कि मेरे लड़के ऐलन को मारपीट किया है। जब तक कि मैं तुझे मारूंगा नहीं तब तक घर नहीं जाऊंगा। शिल्की ने उसे बोली कि अभी पापा और दादी खाना खा रहे हैं ।खाना खा लेने दो फिर उसके बाद जो बोलना है बोल देना और शिल्की ने अपने चाचा को घर जाने के लिए बोली किंतु वह नहीं गया और उल्टे आवेश में आकर शिल्की को बांस के डंडे से मारपीट करने लगा ।बीच बचाव करने जब उसका पापा आया तो उसे भी जिब्रियस ने मारपीट कर दिया और पुन: बेटे एलन को मारपीट करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद दूसरे दिन शिल्की लकड़ा रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंची। बिरसा पुलिस ने इस मामले में जिब्रियस लक?ा लक?ा के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।आगे विवेचना जारी है।

ऑक्सीजन मास्क लगाकर युवाओं ने किया अनोखा प्रदर्शन, अनियोजित विकास का किया विरोध

हाईवे निर्माण में काटे गए पेड़ों के बदले वृक्षारोपण की उठाई मांग, कहा- बालाघाट-गोंदिया-नागपुर हाईवे पर लाखों पेड़ काटे गए, अब तक नहीं हुआ पुनः पौधारोपण

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट-गोंदिया-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान बड़ी संख्या में काटे गए पेड़ों के बदले अब तक पौधारोपण नहीं किए जाने के विरोध में शनिवार की देर शाम नगर के काली पुतली चौक पर वृक्षधरा फाउंडेशन के युवाओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने चेहरे पर ऑक्सीजन मास्क पहनकर और हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर अनियोजित विकास के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। उनका कहना था कि यदि विकास के नाम पर इसी तरह अंधाधुंध वृक्षों की कटाई होती रही और उनके स्थान पर नए पौधे नहीं लगाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा के लिए ऑक्सीजन मास्क का सहारा लेना पड़ेगा।प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भी सौंपा।उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार पत्राचार करने के बावजूद अब तक शासन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिससे लोगों में निराशा और नाराजगी है।

पांच सूत्रीय मांगों के साथ सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में युवाओं ने सरकार से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि हाईवे निर्माण के दौरान 100 वर्ष से अधिक पुराने हजारों पेड़ों को काट दिया गया, लेकिन उनके बदले पौधारोपण क्यों नहीं किया गया। उन्होंने यह भी पूछा कि सड़क किनारे पौधारोपण के लिए पर्याप्त स्थान क्यों नहीं छोड़ा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि बालाघाट-गोंदिया-नागपुर हाईवे के दोनों ओर कम से कम छह फीट ऊंचाई के देशी प्रजाति के पौधे लगाए जाएं ताकि भविष्य में राहगीरों को छाया मिल सके और पर्यावरण का संतुलन बना रहे। साथ ही हाईवे किनारे व्यापक स्तर पर पौधारोपण की समय-सीमा घोषित करने की भी मांग की गई।

हमें विकास से नहीं, अनियोजित विकास से आपत्ति है-दमाहे

वृक्षधरा फाउंडेशन के पदाधिकारी राकेश भोजराज दमाहे ने बताया कि संस्था विकास कार्यों के खिलाफ नहीं है, बल्कि ऐसे विकास का विरोध करती है जिसमें पर्यावरण की अनदेखी की जाती है। उन्होंने कहा कि देशभर में विकास परियोजनाओं के नाम पर लगातार वृक्षों की कटाई हो रही है, लेकिन उनके बदले पर्याप्त पौधारोपण नहीं किया जा रहा। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाली पीढ़ियों के सामने स्वच्छ हवा और पर्यावरण का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।उन्होंने बताया कि बालाघाट-गोंदिया-नागपुर हाईवे निर्माण के दौरान लाखों पेड़ काटे गए, लेकिन आज तक वहां दोबारा पौधे नहीं लगाए गए। इसी मुद्दे को लेकर बालाघाट, गोंदिया और नागपुर में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जितने वृक्ष विकास कार्यों के लिए काटे गए हैं, उतने ही वृक्ष शीघ्र लगाए जाएं ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी सुरक्षा का संकल्प लेने की अपील की। उनका कहना था कि यदि आज पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में इसके दुष्परिणाम पूरी मानव जाति को भुगतने पड़ेंगे।

रेलवे गेटकीपर से मारपीट मामले में पुलिस आरक्षक पर एफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रेलवे क्रॉसिंग पर ड्यूटी के दौरान रेलवे गेटकीपर के साथ कथित मारपीट के मामले में आखिरकार पुलिस ने आरोपी पुलिस आरक्षक नरेंद्र कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। शिकायतकर्ता रेलवे गेटकीपर संजय कुमार बसेने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि प्रकरण में जानबूझकर हल्की धाराएं लगाई गई हैं, जबकि घटना के समय वह शासकीय ड्यूटी पर थे। उनका कहना है कि मामले में शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की धारा भी जोड़ी जानी चाहिए थी, लेकिन पुलिस ने आरोपी आरक्षक को बचाने के उद्देश्य से ऐसा नहीं किया। 25 जून की शाम बैहर चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर ड्यूटी के दौरान रेलवे गेटकीपर संजय कुमार बसेने और पुलिस आरक्षक नरेंद्र कुमार के बीच विवाद हो गया था। शिकायत के अनुसार आरक्षक रेलवे गेटकीपर के कक्ष के भीतर गुटखा खाकर थूक रहे थे। जब संजय कुमार ने उन्हें ऐसा करने से रोका तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि कुछ देर बाद आरक्षक नरेंद्र कुमार लकड़ी का डंडा लेकर वापस लौटे और गेटकीपर के साथ मारपीट कर दी। घटना के बाद रेलवे कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया था। संजय कुमार अपने साथियों के साथ कोतवाली थाना पहुंचे और आरोपी आरक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और अब आरोपी पुलिस आरक्षक नरेंद्र कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2) और 296(बी) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। हालांकि शिकायतकर्ता संजय कुमार पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि घटना के समय वह रेलवे विभाग के कर्मचारी के रूप में अपनी शासकीय ड्यूटी निभा रहे थे। ऐसे में उनके साथ हुई मारपीट केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं बल्कि शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का भी मामला है। उनका आरोप है कि पुलिस ने इस महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज करते हुए संबंधित धारा नहीं जोड़ी, जिससे आरोपी पुलिसकर्मी को राहत मिल सके। संजय कुमार ने कहा कि यदि किसी अन्य शासकीय कर्मचारी के साथ ड्यूटी के दौरान इस प्रकार की घटना होती तो पुलिस कठोर धाराओं में मामला दर्ज करती। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने सहित अन्य उपयुक्त धाराएं भी जोड़ी जाएं और आरोपी पुलिस आरक्षक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। रेलवे कर्मचारी के साथ ड्यूटी के दौरान हुई इस घटना और उसके बाद दर्ज एफआईआर को लेकर अब पुलिस की कार्रवाई भी सवालों के घेरे में है। शिकायतकर्ता द्वारा अतिरिक्त धाराएं जोड़ने की मांग के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। अब सभी की नजर पुलिस जांच और आगामी कानूनी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

जमीन विवाद में शिक्षक के घर तोड़फोड़

पिता पुत्र ने दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम चांदनी चौक मंडई में जमीन विवाद को लेकर पिता-पुत्र ने पड़ोसी शिक्षक के मकान में तोड़फोड़ कर दी और जान से मारने की धमकी दी। बिरसा पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांदनी चौक मंडई निवासी उमेंद्र कुमार पटले प्राथमिक शाला कांटाबहरा जंगला में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं। उनका अपने पड़ोसी ताजीराम पटले से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। उमेंद्र कुमार का आंगन ताजीराम के आंगन से लगा हुआ है और दोनों के बीच एक दीवार है। 25 जून को सुबह करीब 6:30 बजे शिक्षक उमेंद्र कुमार अपने घर के पीछे आंगन में थे। तभी पड़ोसी ताजीराम और उसका बेटा नवीन अपने आंगन से जोर-जोर से चिल्लाने लगे कि तुमने हमारी जमीन में मकान बनाया है और जो सीट लगाई है वह हमारी जमीन पर है। इसके बाद दोनों पिता पुत्र ने डंडे से मकान की सीट तोड़ फोड़ दी। आरोप है कि पिता-पुत्र ने उमेंद्र कुमार और उनकी पत्नी पवन रेखा को अश्लील गालियां दीं और जान से खत्म करने की धमकी भी दी। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किये घटना के बाद शिक्षक उमेंद्र कुमार पत्नी के साथ बिरसा थाना पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। बिरसा पुलिस ने ताजीराम पिता बेनीराम पटले और उसके बेटे नवीन पिता ताजीराम पटले के खिलाफ अश्लील गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। तोड़फोड़ में शिक्षक को करीब 640 रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

काश्मीरी नाले में नहाने गए व्यक्ति की डूबने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत काश्मीरी नाला में नहाने गए एक व्यक्ति की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना 26 जून की बताई जा रही है। मृतक समरथसिह पिता मंगलसिह कुसरे 45 वर्ष ग्राम माना निवासी है। गढ़ी पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समरथसिंह कुसरे ग्राम माना निवासी काश्मीरी नाल में प्रतिदिन नहाने के लिए जाते थे। प्रतिदिन की तरह 26 जून को भी काश्मीरी नाला में नहाने के लिए गए थे। नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चले गए। जिससे उनकी डूबने से मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें पानी से बाहर निकालकर घर ले गए। सूचना मिलने पर गढ़ी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।गढ़ी थाना पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट